MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 13 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-191

होर्मुज महाजंग

ईरान पर ताबड़तोड़ हमले, ईरान का पलटवार

तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले महीने हुए शांति समझौते के नाकाम होने के बाद मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव एक बार फिर बेहद हिंसक दौर में पहुँच गया है। छह दिनों तक चली भीषण सैन्य तनातनी के बाद ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज (जलडमरूमध्य) को पूरी तरह से बंद करने का ऐलान कर दिया है। ईरान के इस कदम से पिछले महीने समुद्री यातायात बहाल करने और व्यापक शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हस्ताक्षरित हुआ 60 दिवसीय संघर्ष विराम समझौता पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा रविवार को जलमार्ग बंद करने की घोषणा की गई। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने इस दावे को खारिज करते हुए एक्स पर कहा कि यातायात अभी भी जारी है और होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का कोई पूर्ण नियंत्रण नहीं है।

अमेरिकी बमबारी : 140 सैन्य ठिकाने तबाह

यह ताजा विवाद तब शुरू हुआ जब सोमवार रात को ईरान ने ओमान के तट के करीब से गुजर रहे तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला कर दिया, जिसके बाद अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई शुरू की। इसके बाद शनिवार रात को ईरान द्वारा साइप्रस के झंडे वाले एक कंटेनर जहाज को निशाना बनाकर उसे क्षतिग्रस्त करने के बाद अमेरिकी सेना ने बड़ा हवाई हमला किया।

सेंटकॉम के अनुसार, अमेरिकी लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों ने ईरान की हमलावर क्षमता को ध्वस्त करने के लिए उसके 140 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इन ठिकानों में ईरान के मिसाइल और ड्रोन केंद्र, नौसैनिक ठिकाने, हथियार डिपो, संचार नेटवर्क और निगरानी केंद्र शामिल थे। इस हमले में क्षतिग्रस्त हुए कंटेनर जहाज से 10 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय क्रू मेंबर अभी भी लापता है। भारत सरकार ने जलमार्ग में जहाजों की निर्बाध आवाजाही की अपील की है।

ईरान का पलटवार: अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें

अमेरिकी बमबारी के जवाब में आईआरजीसी ने पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान का दावा है कि वह पड़ोसी अरब देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बना रहा है। संयुक्त अरब अमीरात , कतर, जॉर्डन, बहरीन और ओमान से हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं।

ओमान के बंदरगाह पर हमला: ईरान ने ओमान के दुक्म बंदरगाह पर स्थित अमेरिकी विमान वाहक पोतों के रीफ्यूलिंग सेंटर्स और नौसैनिक रसद केंद्रों को नष्ट करने का दावा किया है। ओमान ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह हमला ओमान और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के बीच सुरक्षा वार्ता के कुछ ही घंटों बाद हुआ।

कतर के एयरबेस पर हमला: रविवार को ईरान ने कतर में स्थित अमेरिकी अल उदेद एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया, जिससे वहां एक लड़ाकू विमान रखरखाव केंद्र और कमांड सेंटर नष्ट हो गया। हालांकि, अमेरिका ने अभी तक इस नुकसान की पुष्टि नहीं की है।

परमाणु बमों से भी ज्यादा कीमती है यह जलमार्ग

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहसेन रजाई ने सरकारी मीडिया में बयान जारी करते हुए कहा: यह रणनीतिक जलमार्ग (होर्मुज स्ट्रेट) दर्जनों परमाणु बमों से भी अधिक महत्वपूर्ण है, और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान हर कीमत पर इसकी सुरक्षा और नियंत्रण बनाए रखेगा। आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि यह जलमार्ग तब तक बंद रहेगा जब तक कि अमेरिका इस क्षेत्र में हस्तक्षेप बंद नहीं कर देता। यदि अमेरिका के हमले जारी रहे, तो क्षेत्र में स्थित अन्य अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया जाएगा।

ट्रम्प और खामेनेई के बीच तीखी जुबानी जंग

कूटनीतिक प्रयासों के बीच दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच युद्ध भड़काने वाले बयान सामने आए हैं। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने अपने पहले लिखित संदेश में अपने पिता अली खामेनेई की मौत का बदला लेने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि ईरान ने उन व्यक्तियों की एक लिस्ट तैयार की है जिन्हें निशाना बनाया जाना है। इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर सख्त चेतावनी देते हुए लिखा कि अगर ईरान ने उन्हें या अमेरिकी प्रशासन के किसी भी अधिकारी को नुकसान पहुँचाने या उनकी हत्या की कोशिश की, तो अमेरिका ईरान को पूरी तरह मिटा देगा। ट्रम्प ने दावा किया कि वर्तमान में 1,000 अमेरिकी मिसाइलें ईरान पर पूरी तरह से लॉक हैं और आदेश मिलते ही हजारों और मिसाइलें तबाही मचाने के लिए तैयार हैं।

▶8 पर

ईरान ने लिंडसे को मारा?

अमेरिकी सांसद और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी लिंडसे ग्राहम की मौत को लेकर ईरान ने अपनी हिट लिस्ट जारी की है, जिसमें उसने लिंडसे की मौत के पीछे अपना हाथ होने का संकेत दिया है। ईरान की ओर से जो हिट लिस्ट जारी की गई है उसमें लिंडसे ग्राहम के चेहरे पर क्रॉस दिखाया गया है। कहीं ना कहीं यह संदेश देने की कोशिश है कि इस मौत में उसका हाथ हो सकता है। वह पहले से ईरान की हिट लिस्ट में थे।

ईरान ने जारी की डरावनी तस्वीरें

ईरान में विरोध प्रदर्शन के दौरान लिंडसे ग्राहम की तस्वीरें नजर आई थी और इसी तरह टारगेट पर दिखाए गए थे। हालांकि इसे लेकर ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यूक्रेन दौरे के एक दिन बाद लिंडसे ग्राहम की संदिग्ध मौत हो गई। ट्रंप ने कई बार कह चुके हैं कि वह ईरान के हिट लिस्ट में टॉप पर हैं। बड़ी बात ये है कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे में भी लिंडसे ग्राहम के हिट लिस्ट में होने के पोस्टर लगे थे। ईरान ने हिट लिस्ट वाले नेताओं की फोटो जारी की है। पहली तस्वीर में लिंडसे यूक्रेन की फैसिलिटी का दौरा करते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में अली खामेनेई के जनाजे के दौरान लिंडसे ग्राहम की तस्वीर पर टारगेट का साइन दिखाया जा रहा है। अब जो तीसरी तस्वीर सामने आई है इसमें उन नेताओं की लिस्ट जारी की गई है जो कि ईरान के हिट लिस्ट में हैं। इसमें नंबर वन डोनाल्ड ट्रंप नजर आ रहे हैं। सबसे आखिरी में लिंडसे हैं और उनके चेहरे पर क्रॉस लगा हुआ है। मौत से ठीक एक दिन पहले यूएस के सेनेटर लिंडसे ग्राहम यूक्रेन के दौरे पर गए थे। यहां उन्होंने ड्रोन फैसिलिटी का जायजा लिया था और उसके एक दिन बाद उनकी मौत की खबर सामने आई। लिंडसे के ऑफिस ने बताया, मएक बीमारी के कारण सीनेटर ग्राहम का शनिवार (11 जुलाई 2026) शाम निधन हो गया। परिवार इस समय लोगों से प्रार्थनाओं की अपील करता है और इस बेहद कठिन समय में निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है।

अमेरिकी विदेश नीति की प्रभावशाली आवाज

लिंडसे ग्राहम को अमेरिकी विदेश नीति की प्रभावशाली आवाज माना जाता था। दक्षिण कैरोलाइना का दो दशक से अधिक समय तक सीनेट में प्रतिनिधित्व करने वाले ग्राहम रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के सबसे मुखर समर्थकों में शामिल थे और मॉस्को पर कड़े प्रतिबंध लगाने के प्रमुख पैरोकार थे।

उन्होंने यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत के रूस से तेल खरीदने की भी मुखर आलोचना की थी। उन्होंने ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को तानाशाह करार दिया था। उन्होंने कहा था, अब उनका जाने का समय आ गया है। अगर मैं मिस्टर प्रेसीडेंट की जगह होता तो उस लीडरशिप को ही खत्म कर देता जो अपनी ही जनता को मार रही है।

मंदिर की सुरक्षा के 57 स्वीकृत पद खाली

भगवान भरोसे बद्रीनाथ

गोपेश्वर (चमोली) , 12 जुलाई (एजेंसियां)। दान-चढ़ावा हेराफेरी प्रकरण सामने आने से पहले भी बदरीनाथ धाम में विवाद सामने आते रहे हैं, लेकिन इन्हें हमेशा ही नजरअंदाज किया गया। मंदिर की सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था व दान-चढ़ावा गणना पर नजर रखने के लिए वर्ष 2024 में मजबूत सुरक्षा ढांचा बनाने की कवायद शुरू तो हुई, जो अंजाम तक नहीं पहुंची। तब इसे सुरक्षा संवर्ग नाम देकर इसमें बाकायदा 57 पद स्वीकृत किए गए थे, जिन पर आज तक नियुक्तियां नहीं हो पाईं। बदरी-केदार धाम की सुरक्षा जिम्मेदारी कभी पुलिस तो कभी आइटीबीपी के पास रहती है, लेकिन मंदिर के अंदर की सुरक्षा आज भी भगवान भरोसे है।

वर्ष 1984 में मंदिर की सुरक्षा को लेकर चार सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी, जो कालांतर में सुरक्षा के बजाय सेवा भाव में जुट गए। इनके पास न बंदूक है, न डंडा और न वर्दी ही। ऐसे में ये सुरक्षाकर्मी कम स्वयं सेवक ज्यादा नजर आते हैं। वर्तमान में बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अधीन बदरी-केदार धाम समेत 47 मंदिर हैं और सभी जगह सुरक्षा का जिम्मा स्वंय सेवकों के भरोसे है। वर्ष 2024 में तत्कालीन अध्यक्ष अजेंद्र अजय के नेतृत्व वाली मंदिर समिति ने कर्मचारियों के लिए सेवा नियमावली बनाई थी। इसी के साथ सुरक्षा संवर्ग की आवश्यकता को प्रमुखता देते हुए इसके लिए भी कार्ययोजना बनी। तब सुरक्षा संवर्ग में 57 पदों की आवश्यकता बताते हुए पद सृजन के लिए शासन से पत्राचार हुआ और जुलाई 2024 में शासन ने इन पदों को भरने की स्वीकृति भी दे दी।

▶8 पर

बंगाल में दमन 'राज'

12 महिने बिना मुकदमे जेल

कोलकाता, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल विधानसभा से हाल में पारित गुंडादमन कानून सोमवार से पूरे राज्य में लागू हो जाएगा। असामाजिक गतिविधियों व गुंडों पर अंकुश लगाने के लिए बीते 29 जून को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में दो अहम बिल- पश्चिम बंगाल लोक सुरक्षा एवं असमाजिक गतिविधि नियंत्रण विधेयक, 2026 यानी गुंडा नियंत्रण कानून एवं पश्चिम बंगाल लोक व्यवस्था अनुरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया गया था। इसका उद्देश्य दंगों और अन्य तरह की हिंसा की रोकथाम करना है। दोनों विधेयकों को हाल में राज्यपाल आरएन रवि ने मंजूरी दे दी। जिसके बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के दौरे के दौरान घोषणा की थी कि सोमवार से यह दोनों कानून राज्य में लागू हो जाएगा।

लोक सुरक्षा एवं असमाजिक गतिविधि नियंत्रण विधेयक में सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि ऐसे आरोपितों (असामाजिक तत्वों) को बिना मुकदमा चलाए अधिकतम 12 महीने तक एहतियाती हिरासत में रखा जा सकेगा।

भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और गुजरात मॉडल पर बनाए गए इस कानून के तहत राज्य सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का अधिकार मिलेगा, जिन्हें संगठित हिंसा, दंगा, तोड़फोड़ या अन्य असामाजिक गतिविधियों में शामिल माना जाएगा। इस कानून के तहत सार्वजनिक या निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों को केवल जेल हीं नहीं भेजा जाएगा, बल्कि मुआवजा भी वसूला जाएगा

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33°
न्यूनतम : 26°

मैं आत्महत्या कर लूंगा...

पूर्व सीईसी कुरैशी की किताब में डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा बड़ा खुलासा

नई दिल्ली , 12 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की नई किताब इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा एक भावुक प्रसंग सामने आया है। किताब के अनुसार, वर्ष 2012 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के कुछ मंत्रियों के बीच पैदा हुए विवाद से प्रधानमंत्री इतने दुखी थे कि उन्होंने कुरैशी से कहा था, अगर आप मेरे बारे में ऐसा सोचते हैं, तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।

यह बातचीत एक निजी मुलाकात के दौरान हुई थी। कुरैशी के मुताबिक, उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ कुछ केंद्रीय मंत्रियों की टिप्पणी पर अपनी नाराजगी प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाई थी। इसके बाद मनमोहन सिंह ने उन्हें तुरंत मिलने के लिए बुलाया। मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें मंत्रियों के बयानों की जानकारी नहीं थी और अगर पहले पता चलता तो वे उन्हें फटकार लगाते। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग देश के लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक है और उसकी गरिमा हर हाल में बनी रहनी चाहिए। किताब के मुताबिक, यह मामला जनवरी 2012 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का है।

▶8 पर

वियतनाम बोट हादसा कैप्टन हिरासत में, जाँच शुरू

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। वियतनाम में 15 भारतीय पर्यटकों की जान लेने वाले बोट हादसे के बाद प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस ने स्पीडबोट के कैप्टन को हिरासत में लेकर आपराधिक जांच शुरू कर दी है। वहीं, भारतीय दूतावास ने बताया कि मृतकों के शव भारत भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है, जबकि एक घायल का इलाज अब भी अस्पताल में चल रहा है। फु क्वोक द्वीप के पास हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद 57 वर्षीय स्पीडबोट कैप्टन गुयेन होंग हाई को हिरासत में लिया गया है। उस पर जलमार्ग सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि हादसा लापरवाही की वजह से हुआ या इसके पीछे कोई और कारण था। यह दर्दनाक हादसा शनिवार को हुआ था। हादसे के वक्त इस स्पीडबोट में 32 भारतीय पर्यटक और चार क्रू मेंबर्स सवार थे। यह बोट किनारे से महज 400 मीटर की दूरी पर अचानक पलट गई, जिसकी वजह से 15 भारतीयों की डूबने से मौत हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि 16 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जिन्हें जरूरी इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी भी मिल चुकी है। वहीं, एक घायल पर्यटक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है, जिसका वियतनाम के अस्पताल में ही इलाज चल रहा है।

▶8 पर

ईरान ने जार्डन, कुवैत, बहरीन और कतर में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर किए हमले

तेहरान

ईरान ने दावा किया है कि दक्षिणी ईरान पर अमेरिकी हमलों के जवाब में उसकी सेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने जार्डन, कुवैत, बहरीन और कतर में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमले किए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि अमेरिका ने आगे कोई सैन्य कार्रवाई की तो उसे और अधिक सख्त जवाब दिया जाएगा।

ईरान की सरकारी समाचार सेवा प्रेसटीवी के मुताबिक आईआरजीसी ने रविवार को जारी बयान में आरोप लगाया कि अमेरिका ने ओमान पर दबाव डालकर और होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिण में जहाजों की गतिविधियां बढ़ाकर तनाव पैदा किया। संगठन का दावा है कि ईरानी नौसेना ने इन प्रयासों को विफल कर दिया, जिसके बाद अमेरिका ने दक्षिणी ईरान के तटीय ठिकानों और संचार टावरों पर हवाई हमले किए।

ईरान के अनुसार, जवाबी कार्रवाई के पहले चरण में आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने जार्डन के प्रिंस हसन एयर बेस पर हमला किया। इसके बाद दूसरे चरण में कतर स्थित अमेरिकी अल-उदीद एयर बेस को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया गया। ईरान का दावा है कि हमले में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस और कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को नुकसान पहुंचा।

एक अलग बयान में ईरानी सेना ने कहा कि उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर आत्मघाती ड्रोन से हमले किए। सेना के मुताबिक, कुवैत में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, गोला-बारूद डिपो और रडार साइट को निशाना बनाया गया, जबकि बहरीन में अमेरिकी संचार और रडार सुविधाओं पर ड्रोन हमले किए गए।

ईरान ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की ओर से सैन्य कार्रवाई जारी रही तो जवाब और अधिक कठोर होगा। साथ ही क्षेत्र में बढ़ने वाले तनाव और अस्थिरता की जिम्मेदारी अमेरिका और उसके सहयोगियों पर होगी।

इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर दक्षिणी ईरान में सैन्य कार्रवाई की गई, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की नियंत्रण क्षमता को कमजोर करना था।

उधर, फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, अमेरिकी हमलों के बाद बुशहर प्रांत के असलूयेह और बंदर दायेर क्षेत्रों में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इससे पहले आईआरजीसी नौसेना ने घोषणा की थी कि अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा और इसे तब तक नहीं खोला जाएगा जब तक अमेरिका क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियां बंद नहीं करता।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के 23 जिलों में बाढ़ की संभावना, काठमांडू में भी आरेंज फ्लड अलर्ट

काठमांडू। नेपाल के मौसम विभाग ने रविवार को 23 जिलों में बाढ़ आने की संभावना जताई है। इसके अलावा काठमांडू में आरेंज फ्लड अलर्ट भी जारी किया गया है। देश की सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण बाढ़ और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग ने काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर और काभ्रेपलाञ्चोक जिलों के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों की नदियों का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंचने की संभावना है, जिससे बाढ़ का खतरा अधिक है। प्रभाग के अनुसार, पाँचथर, ताप्लेजुङ, तेह्रथुम, धनकुटा, भोजपुर, सोलुखुम्बु, संखुवासभा, खोटाङ, ओखलढुंगा, उदयपुर, सिन्धुली, दोलखा, रामेछाप, सिन्धुपालचोक, नुवाकोट, रसुवा, धादिङ, मकवानपुर, रौतहट तथा आसपास के जिलों की नदियों का जलस्तर भी काफी बढ़ सकता है, जिससे फ्लैश फ्लड का मध्यम खतरा बना हुआ है। प्रभाग ने प्रभावित जिलों के नदी किनारे रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने तथा मौसम और बाढ़ संबंधी ताज़ा सूचनाओं पर लगातार नजर रखने की अपील की है। बाढ़ चेतावनी प्रणाली के अनुसार हरा (ग्रीन) रंग का अर्थ है कि नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से नीचे है और बाढ़ का खतरा कम है। पीला (येलो) संकेत देता है कि जलस्तर चेतावनी स्तर के करीब पहुंच रहा है और बाढ़ का मध्यम जोखिम है। नारंगी (आरेंज) अलर्ट का मतलब है कि नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार कर चुका है और बाढ़ का खतरा अधिक है, जबकि लाल (रेड) अलर्ट का अर्थ है कि जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है और गंभीर प्रकार की आशंका है ।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 वर्ष की उम्र में निधन

दोहा। कतर के पूर्व शासक और फादर अमीर के नाम से प्रसिद्ध शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74

वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। कतर के अमीरी दीवान ने रविवार को उनके निधन की जानकारी दी। अमीरी दीवान ने बयान जारी कर कहा कि देश एक बड़ी क्षति पर शोक व्यक्त कर रहा है और ईश्वर से दिवंगत शेख हमद की आत्मा की शांति की प्रार्थना की। शेख हमद ने वर्ष 1995 से 2013 तक कतर पर शासन किया। उनके शासनकाल को देश के तेज आर्थिक और सामाजिक विकास के दौर के रूप में देखा जाता है। प्राकृतिक गैस और ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध कतर को वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली देश बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। उनके कार्यकाल में कतर ने बुनियादी ढांचे, शिक्षा, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की। आज कतर का प्रभाव मध्य पूर्व के साथ-साथ उत्तरी अफ्रीका और एशिया तक फैला हुआ है। शेख हमद के शासनकाल में वर्ष 1996 में अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क अल जज़ीरा की शुरुआत हुई। इसके अलावा वर्ष 2004 में कतर का पहला स्थायी संविधान लागू किया गया। उनके शासन में नगरपालिका चुनावों की शुरुआत हुई, जिसमें महिलाओं को मतदान करने और चुनाव लड़ने का अधिकार दिया गया। उनके नेतृत्व में कतर ने वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत की। वर्ष 2022 में कतर ने फीफा पुरुष विश्व कप की मेजबानी की, जो देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही।

टोरंटो के साल्सा फेस्टिवल में गोलीबारी, दो की मौत और छह घायल

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो शहर में शनिवार शाम आयोजित साल्सा आन सेंट क्लेयर स्ट्रीट फेस्टिवल के

दौरान हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद संदिग्ध फरार है और उसकी तलाश जारी है। रूस की अंतरराष्ट्रीय मीडिया रूस टुडे (आरटी) और अन्य मीडिया के अनुसार, टोरंटो पुलिस ने बताया कि रात करीब 8:12 बजे सेंट क्लेयर एवेन्यू वेस्ट और अर्लिंग्टन एवेन्यू के पास गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को मृत पाया, जबकि छह घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में पांच लोगों को गोली लगी है, जबकि एक अन्य व्यक्ति अन्य चोटों के कारण घायल हुआ। घटना के बाद पूरे इलाके को घेर लिया गया और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने लोगों से घटनास्थल से दूर रहने और आपातकालीन सेवाओं के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

अमेरिकी सांसद रो खन्ना का आरोप- हथियारबंद इजराइलियों ने हमें हिरासत में लिया, आईडीएफ भी रही साथ

यरुशलम

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद सदस्य रो खन्ना (रोहित खन्ना) ने दावा किया है कि इज़राइल के कब्ज़े वाले वेस्ट बैंक के दौरे के दौरान हथियारबंद इज़राइली निवासियों ने उनके प्रतिनिधिमंडल को करीब 90 मिनट तक रोककर रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद इज़राइल डिफेंस फोर्सेज़ (आईडीएफ) ने हस्तक्षेप करने के बजाय निवासियों का साथ दिया।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया को कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद की प्रेस टीम ने बताया कि यह घटना दक्षिणी वेस्ट बैंक के एक ऐसे इलाके में हुई, जहां हाल के महीनों में सेटलर हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। उनके अनुसार, अमेरिका में बनी एम4 राइफलें लिए हुए निवासियों ने उनके समूह की वैन को घेर लिया और रास्ता रोक दिया।

खन्ना ने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल एक ऐसे फिलिस्तीनी गांव का दौरा कर रहा था, जहां निवासियों द्वारा कथित तौर पर स्कूल और अन्य ढांचों को नुकसान पहुंचाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आईडीएफ को बुलाए जाने के बाद भी सैनिकों ने उनके समूह की मदद नहीं की। खन्ना के सहयोगी कैमरन कास्की ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दावा किया कि आईडीएफ मौके पर पहुंची, लेकिन उसने अमेरिकी सांसद के बजाय निवासियों का पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि इस घटना ने उन्हें यह एहसास कराया कि कब्ज़े वाले इलाकों में रहने वाले फिलिस्तीनियों को रोजमर्रा की जिंदगी में किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि एक अमेरिकी सांसद खुद को 90 मिनट तक बेबस महसूस कर सकता है, तो वहां रहने वाले लोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी दूतावास और इज़राइली पुलिस से संपर्क के बाद ही उनका प्रतिनिधिमंडल वहां से निकल सका। इज़राइली सेना ने कहा कि खिरबेट जनुता के पास निवासियों द्वारा वाहनों को रोके जाने की सूचना मिलने के बाद सैनिकों और पुलिस को मौके पर भेजा गया था। सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों ने स्थिति से निपटने के लिए कार्रवाई की, हालांकि उसने खन्ना के आरोपों पर विस्तृत टिप्पणी नहीं की।

जब खन्ना से पूछा कि क्या वह भविष्य में अमेरिका के राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि वह इस संभावना पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उनके मुताबिक, इस यात्रा के बाद उनका यह विचार और मजबूत हुआ है। पूर्वी यरुशलम सहित वेस्ट बैंक में सात लाख से अधिक इज़राइली निवासियों रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र इन बस्तियों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध मानता है, जबकि इज़राइल इस व्याख्या से सहमत नहीं है। अक्टूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद वेस्ट बैंक में हिंसा और सुरक्षा प्रतिबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अमेरिकी दखल जारी रहा तो नहीं खुलेगा होर्मुज जलडमरूमध्य : आईआरजीसी नेवी

तेहरान। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कार्प्स (आईआरजीसी) नेवी ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। आईआरजीसी के अनुसार, यह फैसला क्षेत्र में विदेशी सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए लिया गया है। संगठन का कहना है कि जब तक अमेरिका क्षेत्र में अपना सैन्य हस्तक्षेप बंद नहीं करता, तब तक जलडमरूमध्य बंद रहेगा। ईरान की सरकारी समाचार सेवा प्रेसटीवी के मुताबिक रविवार को जारी बयान में आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है और यह तब तक बंद रहेगा जब तक अमेरिका इस इलाके में अपना दखल बंद नहीं कर देता। किसी भी जहाज को इस जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत नहीं होगी। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इस स्थिति का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ किसी नए सैन्य अभियान के बहाने के रूप में किया गया, तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि किसी भी संभावित टकराव की जिम्मेदारी अमेरिका, इजरायल और उन देशों की होगी जो ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों के लिए अपने ठिकाने उपलब्ध कराते हैं। बयान के अनुसार, हाल ही में एक जहाज द्वारा ईरानी निर्देशों की अनदेखी किए जाने और उसके आनबोर्ड ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिए जाने के बाद चेतावनी के तौर पर गोली चलाई गई थी। आईआरजीसी का दावा है कि इससे समुद्री सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हुआ।

बलूचिस्तान में आपरेशन शबान में 3 और आतंकवादी ढेर, कुल संख्या 67 पहुंची

क्वेटा

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों का संयुक्त अभियान आपरेशन शबान लगातार जारी है। रविवार को सुरक्षा बलों ने अभियान के दौरान तीन और आतंकवादियों को मार गिराया। इसके साथ ही इस आपरेशन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई, जबकि 5 जुलाई से अबतक विभिन्न अभियानों में कुल 105 आतंकवादी मारे जाने का दावा किया गया है।

पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डान व अन्य मीडिया ने सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज़ के हवाले से बताया कि यह अभियान पाकिस्तान सेना, फ्रंटियर कार्प्स (एफसी) और बलूचिस्तान पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जा रहा है। आपरेशन की शुरुआत जियारत जिले के मांगी डैम पुलिस पोस्ट पर हुए आतंकी हमले के बाद की गई थी। हमले में पहले 9 पुलिसकर्मी मारे गए थे, जबकि 18 अन्य का अपहरण कर बाद में उनकी हत्या कर दी गई। उनके शव ज़रघून गार के पहाड़ी क्षेत्र से बरामद किए गए थे। सरकारी मीडिया के मुताबिक, अभियान के दौरान हवाई और ज़मीनी दोनों स्तरों पर कार्रवाई की जा रही है। पाकिस्तान सरकार प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए फितना-अल-खवारिज शब्द का इस्तेमाल करती है। वहीं, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि पाकिस्तान सेना, एफसी और पुलिस की कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने क्वेटा में आयोजित नेशनल एक्शन प्लान की प्रांतीय एपेक्स कमेटी की बैठक में कहा कि देश का नागरिक और सैन्य नेतृत्व आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन के लिए सभी संस्थाएं मिलकर काम करेंगी। बैठक में आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के अनुसार, 5 जुलाई से बलूचिस्तान में हुए आतंकी हमलों और उसके बाद चलाए गए अभियानों में अब तक 42 लोगों की जान जा चुकी है।

वेस्ट बैंक में इज़राइल की नई कार्रवाई, 500 एकड़ से ज्यादा जमीन पर सैन्य आदेश लागू

इस्तांबुल। फिलिस्तीनी कालोनाइजेशन एंड वाल रेजिस्टेंस कमीशन (पीसीडब्ल्यूआरसी) ने दावा किया है कि इज़राइल ने जनवरी, 2026 से अब तक कब्ज़े वाले वेस्ट बैंक में 2,093 डुनम (करीब 517 एकड़) निजी फिलिस्तीनी जमीन को प्रभावित करने वाले 49 सैन्य आदेश जारी किए हैं। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, पीसीडब्ल्यूआरसी ने बताया है कि इन आदेशों के तहत जमीन का औपचारिक अधिग्रहण या मालिकाना हक नहीं बदला जाता, लेकिन सुरक्षा उपायों के नाम पर उस पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी जाती हैं। इनमें पेड़ों की कटाई या छंटाई की अनुमति, जमीन तक पहुंच पर रोक और खेती पर प्रतिबंध जैसे कदम शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये सैन्य आदेश मुख्य रूप से इज़राइली बस्तियों, बस्तियों को जोड़ने वाली सड़कों, अलगाव दीवार और सैन्य ठिकानों के आसपास लागू किए जा रहे हैं। आयोग का आरोप है कि इन उपायों के जरिए आधिकारिक अधिग्रहण किए बिना फिलिस्तीनी जमीन पर इज़राइल का नियंत्रण बढ़ाया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 1,613 डुनम जमीन को प्रभावित करने वाले 47 सैन्य आदेश जारी किए गए थे, जबकि 2026 की पहली छमाही में 2,093 डुनम जमीन से जुड़े 49 आदेश जारी किए जा चुके हैं।

सरकारी प्रतिबद्धताओं की निगरानी के लिए नेपाल पीएमओ में बनेगी पीएम डिलीवरी यूनिट

काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय के अंतर्गत प्रधानमंत्री डिलीवरी यूनिट स्थापित की जाएगी। यह यूनिट मंत्रिपरिषद् से स्वीकृत 18 सूत्रीय राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सरकारी निकायों के बीच समन्वय स्थापित करने और उनके कार्यान्वयन की निगरानी करेगी।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने इससे पहले 100 सूत्रीय सुशासन सुधार एजेंडा सार्वजनिक किया था। इसी एजेंडे के आधार पर 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में प्रतिनिधित्व हासिल करने वाले छह राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के घोषणापत्र, वादों और प्रतिबद्धताओं को समाहित करते हुए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता दस्तावेज तैयार किया गया। इस दस्तावेज़ में शामिल कई प्रतिबद्धताओं को आगामी आर्थिक वर्ष 2026-27 की सरकारी नीति, कार्यक्रम और बजट में पहले ही शामिल किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय के अनुसार मौजूदा नीति, कार्यक्रम और बजट में शामिल नहीं हो सकने वाली जो प्रतिबद्धताओं कों भविष्य के सुधार कार्यक्रमों में समाहित किया जाएगा। सभी प्रतिबद्धताओं को संबंधित मंत्रालयों और सरकारी निकायों की वार्षिक योजनाओं तथा बजट में शामिल कर उनके माध्यम से लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि इन प्रतिबद्धताओं के समग्र क्रियान्वयन की निगरानी, प्रगति की समीक्षा और मंत्रालयों एवं सरकारी एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पीएम डिलीवरी यूनिट का गठन किया जा रहा है।

प्रस्तावित पीएम डिलीवरी यूनिट कोई नई अवधारणा नहीं है। सरकार के प्रदर्शन और जवाबदेही को बेहतर बनाने के लिए दुनिया के कई देशों में ऐसी इकाइयां पहले से कार्यरत हैं। ब्रिटेन में पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल में स्थापित प्रधानमंत्री डिलीवरी यूनिट इस माडल का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण मानी जाती है। इसी तरह मलेशिया और रवांडा जैसे देशों में भी सरकार की प्राथमिकताओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए समान व्यवस्था लागू है। रवांडा में प्रधानमंत्री कार्यालय सरकारी कार्यक्रमों के समन्वय और राष्ट्रीय नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

चीन में तूफान बावी का कहर, बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द, रेल सेवाएं प्रभावित

बीजिंग

चीन के पूर्वी तट से टकराए टाइफून बावी ने व्यापक तबाही मचाई है। तेज़ हवा और मूसलाधार बारिश के कारण देशभर में हज़ारों उड़ानें रद्द या विलंबित हो गई हैं, जबकि कई इलाकों में हाईस्पीड रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। हालात को देखते हुए चीनी प्रशासन ने बड़े पैमाने पर आपातकालीन इंतज़ाम किए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, टाइफून बावी शनिवार को पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत में पहुंचा, जिसके बाद दक्षिणी और पूर्वी चीन के कई हिस्सों में भारी बारिश शुरू हो गई। ट्रैवल एनालिटिक्स प्लेटफार्म उमेट्रिप के हवाले से बताया गया है कि रविवार के लिए निर्धारित 2,800 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। तूफ़ान का असर शंघाई, नानजिंग, हांग्झू, वुहान, शेनयांग, डालियान और चेंगदू समेत कई बड़े शहरों पर पड़ा है। दक्षिण-पूर्वी फुजियान, झेजियांग, दक्षिणी गुआंग्शी और हैनान के हवाई अड्डों पर भी बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द की गई हैं। वहीं, बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट और बीजिंग डैक्सिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण कई उड़ानों में देरी हुई। पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत में शंघाई, हांग्झू और चांगझू समेत 45 हवाई अड्डों ने तूफ़ान को लेकर अलर्ट जारी किया है। शंघाई पुडोंग और शंघाई होंगकियाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की परिचालन क्षमता भी प्रभावित हुई है, जहां लगभग 30 प्रतिशत उड़ानें रद्द होने की आशंका जताई गई है। रेल यातायात भी इससे अछूता नहीं रहा। कई क्षेत्रों में एहतियात के तौर पर हाईस्पीड ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। इस बीच, चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट और टाइफून के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, झेजियांग, उत्तरी फुजियान, दक्षिणी अनहुई, उत्तर-पूर्वी जियांग्शी, बीजिंग और हेबेई के कई हिस्सों में अगले 24 घंटों के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। कुछ इलाकों में 250 से 500 मिलीमीटर, जबकि ताइवान के कुछ हिस्सों में 800 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है। टाइफून के खतरे को देखते हुए चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने शंघाई, जियांग्सू, अनहुई, जियांग्शी और सिचुआन में बाढ़ एवं टाइफून नियंत्रण के लिए लेवल-4 आपातकालीन प्रतिक्रिया लागू कर दी है। वहीं, जल संसाधन मंत्रालय ने झेजियांग और फुजियान में बाढ़ नियंत्रण के लिए आपातकालीन स्तर को बढ़ाकर लेवल-3 कर दिया है। परिवहन मंत्रालय ने भी भारी बारिश के मद्देनज़र उच्च स्तरीय आपातकालीन व्यवस्था लागू की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रॉयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें– क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की ग़ैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम-काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं । आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 जुलाई 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 06:52 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 02:52 तक
योग : ध्रुव सायं 04:00 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:42 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:49 ,सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहूकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 08:42 तक

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी का मंगल प्रवेश 23 को

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। संघ शासक, त्रिश्रा, परम पूज्य गुरुदेव, अवन्ति तीर्थोद्धारक, राष्ट्रसंत एवं खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज के पावन सानिध्य में इन दिनों मनोहराबाद में धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। उनके साथ पूज्य गणिवर्य श्री मयंकप्रभसागरजी महाराज, पूजनीया गणिनी श्री सुलोचनाश्रीजी महाराज सहित श्रमण एवं श्रमणी वृंद विराजमान हैं।

जैन श्रावक संघ, कोरा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने मनोहराबाद पहुंचकर आचार्य श्री एवं साधु-साध्वी भगवंतों के दर्शन-वंदन किए तथा गुरुदेव से आनंद भवन, कोरा पधारने की विनम्र प्रार्थना की।

श्रद्धालुओं के आग्रह को स्वीकार करते हुए आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज ने 23 जुलाई को आनंद भवन, कोरा पधारने की स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर प्रातः 9:00 बजे धर्मसभा एवं प्रवचन का आयोजन होगा। गुरुदेव की स्वीकृति मिलते ही उपस्थित श्रद्धालुओं में हर्ष और उल्लास का वातावरण छा गया।

इस अवसर पर संघपति सम्पतराज कोठारी, चेयरमैन संजय कटारिया, अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल, उमेश बागरेचा, राजेंद्र भंसाली, महावीर कोठारी, पारसमल सूखानी, दिलीप सेठिया, महावीर बोहरा, नरेंद्र मंडोत, भारत मेहता, नीरज जैन, निहालचंद कोठारी, सुरेश गादिया, गौतम कोठारी, महावीर तातेड, दिलीप लोढ़ा सहित जैन श्रावक संघ, कोरा के अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बारिश की बेरुखी से मदनूर मंडल के किसान संकट में

सोयाबीन, कपास, मूंग और उड़द की फसलें प्रभावित, उत्पादन घटने की आशंका

भूजल स्तर गिरने से पेयजल संकट भी गहराया, किसान कर रहे अच्छी बारिश का इंतजार

मदनूर, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। खरीफ सीजन के बीच पर्याप्त वर्षा नहीं होने से मदनूर मंडल के किसान एक बार फिर गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। जून के अंतिम सप्ताह में हुई संतोषजनक बारिश के बाद जुलाई की शुरुआत से वर्षा का सिलसिला थम गया है। पिछले लगभग पंद्रह दिनों से मंडल में अच्छी बारिश नहीं होने के कारण खरीफ की प्रमुख फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। इस वर्ष मदनूर मंडल में बड़े पैमाने पर सोयाबीन की बुवाई की गई थी। शुरुआती बारिश से फसलों का अंकुरण तो अच्छा हुआ, लेकिन बाद में वर्षा नहीं होने से पौधों की बढ़वार रुक गई है। कई स्थानों पर फसलें पीली पड़ने लगी हैं तथा खेतों की मिट्टी में नमी तेजी से कम हो रही है। वहीं लगभग 90 दिनों में तैयार होने वाली मूंग और उड़द की फसलें भी वर्षा के अभाव में बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। यदि समय पर अच्छी बारिश नहीं हुई तो इन फसलों के उत्पादन में भारी गिरावट आने की आशंका है। दूसरी ओर कपास की फसल भी फूल आने और विकास के महत्वपूर्ण चरण में पानी की कमी से प्रभावित हो रही है।

फसलों के साथ-साथ मंडल में पेयजल संकट भी गहराने लगा है। लगातार बारिश नहीं होने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। कई कुओं और बोर-वेलों में जलस्तर घटने लगा है तथा कुछ क्षेत्रों में पानी की कमी की समस्या भी सामने आने लगी है। इससे किसानों के साथ-साथ ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ गई है।पिछले कुछ दिनों से आसमान में बादल तो छा रहे हैं, लेकिन तेज हवाओं के कारण वे बिना बरसे ही छंट जा रहे हैं। इससे किसानों की उम्मीदें बार-बार टूट रही हैं। प्रतिदिन आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे अन्नदाता अब भी अच्छी और लगातार बारिश का इंतजार कर रहे हैं, ताकि खरीफ की फसलें बच सकें और उनकी मेहनत रंग ला सके।

जहाँ सेवा ही पहचान है, वहाँ राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद सबसे आगे : बिमल किशोर संघी

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक एवं निराश्रित जनों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा, समर्पण और मानवता की भावना से ओतप्रोत इस आयोजन में उपस्थित सभी लोगों ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे निरंतर सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बिमल किशोर संघी ने कहा कि आज के समय में निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है और राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी धर्म का पालन पूरी निष्ठा, समर्पण और श्रद्धा के साथ कर रहा है। उन्होंने कहा कि जहाँ सेवा ही पहचान बन जाती है, वहाँ समाज में विश्वास, संवेदना और अपनत्व का वातावरण स्वतः निर्मित हो जाता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने अपने सेवा कार्यों के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुँचाना केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची साधना है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है और राधे-राधे ग्रुप के सेवाभावी सदस्य इसी भावना के साथ निरंतर अन्नदान कर रहे हैं। समूह के सदस्य बिना किसी प्रचार-प्रसार की अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता में जुटे रहते हैं, जो वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम में बिमल किशोर संघी, नयन संघी, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत एवं पाबूराम कुमावत सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अन्नदान सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया तथा मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

ई-रिक्शा चालक बना अरबपति, बैंक खाते में आए 7.5 अरब

पटना, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश के धार्मिक, अध्यात्मिक, पौराणिक एवं ऐतिहासिक नगरी गयाजी शहर में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक साधारण ई-रिक्शा चालक के बैंक खाते में अचानक अरबों रुपये आ गए। दरअसल शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र के बागेश्वरी मोहल्ले के रहने वाले शिव कुमार पटेल के मोबाइल पर जब बैंक का मैसेज आया, तो उसमें उपलब्ध शेष राशि 7,596,951,951.16 (सात अरब, उन्सठ करोड़, छियानवे लाख, इक्यावन हजार, नौ सौ इक्यावन रुपये और सोलह पैसे) दिखा रहा था। इतनी बड़ी रकम देखकर न सिर्फ खाताधारक का दिमाग हिल गया, बल्कि पूरे मोहल्ले और घर में इस बात की चर्चा आग की तरह फैल गई। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना सहित विधवा पेंशन , योजना , निशक्त पेंशन योजना, विकलांग पेंशन योजना आदि के लिए एक दिन पहले डीबीटी के माध्यम से लाभुकों को पेंशन जारी करने के बाद अपने

ग्यारह सौ रुपए पेंशन निकालने के लिए यह बुजुर्ग अपने खाता वाले बैंक गये और एक हजार रुपए निकाल कर घर आ गए। उसके बाद वह तो मोबाइल पर मैसेज देखकर भौंचक रह गए। दरअसल

शिव कुमार पटेल एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वहीं ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वे सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत वृद्धावस्था पेंशनभोगी भी हैं। कल शनिवार को वे अपनी पेंशन की राशि निकालने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के बागेश्वरी मोहल्ले में स्थित सीएसपी (ग्राहक सेवा केंद्र) पर गए थे। उन्होंने वहां बायोमेट्रिक माध्यम से 1,100 की निकासी की, जिसके तुरंत बाद उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर बैलेंस का यह हैरान कर देने वाला मैसेज आया।बैंक मैनेजर ने खाताधारक को सोमवार को शाखा में आने के लिए कहा है, जिसके बाद ही इस रहस्य से पर्दा उठ सकेगा। फिलहाल यह मामला पूरे शहर में कौतूहल और चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग असमंजस में हैं कि आखिर एक गरीब ई-रिक्शा चालक के खाते में इतनी बड़ी रकम किसने और क्यों ट्रांसफर की, या फिर यह पूरी घटना बैंक के सिस्टम में आई किसी गंभीर तकनीकी खराबी का नतीजा है।

मंचेरियाल में पुलिस का बड़ा सर्च ऑपरेशन

अवैध शराब, बिना कागजात के वाहन और हथियार बरामद

मंचेरियाल, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मंचेरियल ज़ोन में अपराध नियंत्रण और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए शनिवार देर रात मंचेरियल टाउन पुलिस ने व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया। इस अभियान की निगरानी स्वयं पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने की। विश्वसनीय सूचना मिली थी कि एनटीआर नगर क्षेत्र के कुछ घरों में गुप्त रूप से गांजा बेचा जा रहा है और युवाओं को नशे की लत में धकेला जा रहा है। इसके बाद करीब 300 पुलिसकर्मियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर घर-घर तलाशी ली।

ऑपरेशन में लगभग 20 हजार रुपये मूल्य की अवैध शराब, बिना वैध दस्तावेज़ों के 166 दोपहिया वाहन, 5 ऑटो रिक्शा, एक धारदार तलवार बरामद किये गये।इसके अलावा सड़क पर जन्मदिन मनाकर आम जनता को परेशान करने वाले 10 युवकों और 10 पुराने अपराधियों की काउंसलिंग की गई। उन्हें भविष्य में कानून का पालन करने की सख्त चेतावनी दी गई। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने कहा, पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि युवाओं को सही दिशा देना भी है। युवा देश का भविष्य हैं। उन्हें नशे और असामाजिक गतिविधियों से दूर रहकर शिक्षा व रोजगार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं। जरूरत पड़ने पर पुलिस विभाग युवाओं के लिए मार्गदर्शन और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। आयुक्त ने जनता से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। अभियान के दौरान मंचेरियल ज़ोन के डीसीपी ए. भास्कर, एसीपी आर. प्रकाश, जयपुर एसीपी वेंकटेश्वरलु, बेल्लमपल्ली एसीपी किरण कुमार, टाउन इंस्पेक्टर प्रमोद राव समेत अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एसआईआर फॉर्म न भरने पर वोटर लिस्ट से कट सकता है नाम : जूपल्ली कृष्णा राव

मंचेरियाल, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना सरकार के मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने शनिवार को मंचेरियल दौरे के दौरान लोगों से निर्वाचन आयोग के एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) एन्यूमरेशन फॉर्म समय पर भरकर बीएलओ को जमा करने की अपील की। उन्होंने चेताया कि फॉर्म न भरने पर मतदाता सूची से नाम हट सकता है और मताधिकार के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ भी छिन सकता है।

मंत्री ने बताया कि एसआईआर की अंतिम तिथि में केवल 13 दिन शेष हैं और अब तक सिर्फ 30 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। उन्होंने बीएलओ और एजेंटों को अन्य कार्य छोड़कर एसआईआर को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।इस दौरान मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस अगले आठ साल तक सत्ता में रहेगी। हर पात्र गरीब को इंदिरम्मा आवास मिलेगा और हजारों करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण हो रहा है। कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर एसआईआर और योजनाओं का प्रचार करने को कहा। कार्यक्रम में विधायक प्रेम सागर राव, पूर्व डीसीसी अध्यक्ष सुरेखा प्रेम सागर राव, महापौर धरनी मधुकर, उप महापौर सला रम्या, पार्षद तुमुला नरेश समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

सांसद वमसी कृष्णा ने किया ताडिचेरल कोयल खदान का दौरा

पेद्दापल्ली, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जयशंकर भूपालपल्ली जिले के पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने सिंगारेनी अधिकारियों के साथ ताडिचेरल कोयल ब्लॉक खदान-2 का दौरा किया। उन्होंने परियोजना स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से पूछा कि कितने गांव प्रभावित हुए हैं और कितने लोग अपनी जमीन खो रहे हैं।

सांसद वमसी कृष्णा ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से अपील की कि पर्यावरण संबंधी मंजूरी जल्द से जल्द प्राप्त की जाए और खदान का काम शीघ्र शुरू किया जाए। उन्होंने कहा, ताडिचेरल खदान के नाम पर राजनीति न करें। यदि जल्द से जल्द अनुमतियां प्राप्त कर खदान का काम शुरू किया जाए, तो यह क्षेत्र विकसित होगा।उन्होंने कहा, सिंगारेनी भाजपा भरोसा के नाम पर पेद्दापल्ली जिले में आ रहे किशन रेड्डी का मेरा स्वागत है। इस खदान का काम तीन महीने के भीतर शुरू करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।सांसद ने कहा कि ताडिचेरल खदान से सेवानिवृत्त सिंगारेनी श्रमिकों की पेंशन बढ़ाई जानी चाहिए और उन्हें सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह खदान इस क्षेत्र का विकास करेगी और रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। इस परियोजना से कारोबार में 50 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि होगी।

जगित्याला के चेलगल में केंद्रीय विद्यालय की आधारशिला, 5 एकड़ भूमि आवंटित

पेद्दापल्ली, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगित्याला जिले के चेलगल गांव में शनिवार को केंद्रीय विद्यालय की आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम में सांसद अरविंद धर्मपुरी, राज्य के मंत्री, जगित्याला, वेमुलावाड़ा और चोप्पाडंडी के विधायक, अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। तेलंगाना सरकार ने केंद्रीय विद्यालय के लिए आवश्यक 10 एकड़ भूमि में से पहले चरण में 5 एकड़ भूमि आवंटित कर दी है। सांसद धर्मपुरी ने मांग की कि स्कूल के पूर्ण विकास के लिए शेष 5 एकड़ भूमि का भी तत्काल आवंटन किया जाए, ताकि छात्रों को बेहतर शैक्षिक, खेल और बुनियादी ढांचागत सुविधाएं मिल सकें। भाजपा नेताओं ने कहा कि 10 एकड़ भूमि का पूर्ण आवंटन होने तक पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारा प्रयास रुकेगा नहीं।

ये उपाय बचाते हैं किसी बुरी नजर या टोने-टोटकों के अशुभ प्रभाव से

अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढी आदि पर पानी का छिडकाव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड की टहनी पत्तियों सहित मुख्य दरवाजे पर लटकाएं।

घर सुखी तो मन सुखी, मन सुखी तो तन सुखी। पर कभी कभी हमें हमारे घर को लगता है ना जाने किसकी नजर लग गई होती है सब बुरा ही होने लगता है । क्या आपको लगता है कि किसी ने आपके घर पर टोना-टोटका किया है जिसके कारण आपके परिवार पर इसका अशुभ प्रभाव पड रहा है तो हम आपको बता रहे हैं टोने-टोटको से बचने के साधारण व अचूक उपाय। इन उपायों को करने से आपके घर व परिवार पर किसी टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडेगा। यह उपाय इस प्रकार हैं- अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढी आदि पर पानी का छिडकाव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड की टहनी पत्तियों सहित मुख्य दरवाजे पर लटकाएं। शनिवार के दिन सात हरी मिर्च के बीच एक नींबू काले धागे में पिरोकर मुख्य द्वार पर लटकाएं। इससे भी बुरी नजर नहीं लगेगी। सप्ताह के किसी एक दिन घर की साफ-सफाई करने के बाद एक बाल्टी पानी में थोडी शक्कर और दूध डालकर कुश से उसका छिडकाव पूरे घर में करें। आखिर में शेष पानी को दरवाजे के दोनों और थोडा-थोडा डाल दें। अमावस के दिन एक ब्राहमण को भोजन अवश्य कराएं। इससे आपके पितर प्रसन्न होंगे और आपके घर व परिवार को टोने-टोटको के अशुभ प्रभाव से बचाएंगे। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके घर में पैसों का आगमन बिल्कुल कम होता है। उस घर के सदस्य कमाते तो बहुत हैं लेकिन घर में पैसा नहीं आ पाता। दूसरे कामों में ही खर्च हो जाता है। अगर ऐसा हो तो ऐसा करने से घर में पैसों का आगमन होगा और सुख-शांति भी बनी रहेगी। शुक्ल पक्ष के बुधवार की शाम को किसी केले के पौधे के समीप जाएं। उस पर जल चढाएं। हल्दी से तिलक करें और गुरु बृहस्पति का ध्यान कर पौधे से अगले दिन (गुरुवार को) थोडी सी जड ले जाने की आज्ञा मांगें। दूसरे दिन सूर्य निकलने पर स्नान कर केले के पेड की पूजा करें और लकडी के एक टुकडे से पौधे की जड खोदकर निकाल लें और घर ले आएं। इस जड को गंगाजल से धोकर केसर के जल में डाल दें।

घी का दीपक जलाकर ऊँ बृं बृहस्पते नमः मंत्र की एक माला का जप करें और उस जड को जल से निकालकर पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें। इसके बाद प्रति गुरुवार को उस जड को केसर घुले गंगाजल में स्नान कराकर पुनः उस पीले कपडे में बांध कर इस मंत्र का जप करें और पुनः तिजोरी में रखें। जब भी ऐसा करें जरुरतमंदों को दान दें व बच्चों को मिठाई अवश्य खिलाएं। इस तरह आपके घर में धन का आगमन होने लगेगा।

अगर नौक्री से जुडी समस्या हो तो शनिवार को हनुमानजी के मंदिर में जाकर सवा किलो मोतीचूर के लड्डुओं का भोग लगाएं। घी का दीपक जलाएं और मंदिर में ही बैठकर लाल चंदन की या मूंगा की माला से 108 बार नीचे लिखे मंत्र का जप करें-

कवन सो काज कठिन जग माही।
जो नहीं होय तात तुम पाहिं।।

इसके बाद 40 दिनों तक रोज अपने घर के मंदिर में इस मंत्र का जप 108 बार करें। 40 दिनों के अंदर ही आपको रोजगार मिलेगा। शनैश्चरी अमावस्या के दिन एक कागजी नींबू लें और शाम के समय उसके चार टुकडे करके किसी चौराहे पर चारों दिशाओं में फेंक दें। इसके प्रभाव से भी जल्दी बेरोजगारी की समस्या दूर हो जाएगी। मंगलवार से प्रारंभ करते हुए 40 दिनों तक रोज सुबह के समय नंगे पैर हनुमानजी के मंदिर में जाएं और उन्हें लाल गुलाब के फूल चढाएं। ऐसा करने से भी शीघ्र ही रोजगार मिलता है। इंटरव्यू में जाने से पहले लाल चंदन की माला से नीचे लिखे मंत्र का 11 बार जप करें-

ऊँ वक्रतुण्डाय हुं

जप से पूर्व भगवान गणेश की पूजा करें और गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करते हुए दूध से अभिषेक करें। इस से हर बाधा हो जाएगी दूर सुबह उठकर नहाकर साफ पीले कपडे पहनें। इसके बाद आसन बिछाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं और 7 हल्दी की साबूत गांठे, 7 जनेऊ, 7 पूजा की छोटी सुपारी, 7 पीले फूल व 7 छोटी गुड की ढेली एक पीले रंग के कपडे में बांध लें। अब भगवान सूर्य का स्मरण करें और अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। यह पोटली घर में कहीं ऐसी जगह रख दें जहां कोई और उसे हाथ न लगाए। जब आपका कार्य हो जाए तो यह पोटली किसी नदी या तालाब में प्रवाहित कर दें।

ये 8 उपाय करने पर भगवान शिव होंगे प्रसन्न

भगवान शिव को भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं। यदि पूरी आस्था से शिव का ध्यान किया जाए तो वह शिवभक्तों की पुकार जरूर सुनते हैं। इसके लिए भगवान शिव की पूजा करने से पहले आप कुछ उपाय आजमा सकते हैं।

इन सभी उपायों का उल्लेख शिवमहापुराण में मिलता है।

1.भगवान शिव को अक्षत यानी चावल अर्पित करें। इसके साथ तिल अर्पित करने से भी वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं।

2.भगवान शिव को लाल और सफेद फूल बहुत प्रिय है। इसलिए शिव पूजा में इन्हीं रंगों के फूलों का शामिल करें।

3.शिवपुराण के अनुसार यदि शमी के वृक्ष के पत्तों से शिव पूजा करने से मोक्ष मिल सकता है।

4.इनके अलावा जूही, कनेर बेला के फूलों से भी पूजन करना चाहिए।

5.प्रत्येक सोमवार और सावन माह में 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से 'ऊं नमः शिवाय' लिखकर शिवलिंग पर चढाएं। इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

6.यदि विवाह में देर हो रही हो तो सावन में रोज शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध चढाएं। इससे जल्दी ही आपके विवाह योग बनेंगे।

7.भगवान शिव को जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है। भगवान शिव को गेंहू चढाने से संतान वृद्धि होती है।

यदि शादी में मुश्किलें आ रही हो तो करें ये उपाय

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनकी शादी में काफी मुश्किलें आती हैं। कई बार तो यह लोग काफी निराश हो जाते हैं। लेकिन उन्हें निराश होने की कोई जरुरत नहीं है , पूर्णिमा के अवसर पर यदि वे नीचे लिखे उपाय विधि-विधान से करेंगे तो न सिर्फउनका विवाह जल्दी होगा बल्कि उन्हें मनचाहा जीवन साथी भी मिलेगा।

उपाय— गरीबों को अपने सामर्थ्य के अनुसार पीले फ्ल जैसे- आम, केला आदि का दान करें। इस दिन नया पीला रुमाल अपने साथ में रखें। भगवान विष्णु के मंदिर में जाकर बेसन के लड्डू चढाएं। लड्डू के साथ सेहरे की कलगी भी चढाएं। यह शीघ्र विवाह का अचूक उपाय है। केल (केले के पेड) की पूजा करें। इस दिन भोजन में केसर का उपयोग करें व केसर का तिलक लगाएं। जरुरतमंदों को पीले वस्त्रों का दान करें।

गुरु बृहस्पति के मंदिर में जाएं। उन्हें पीली मिठाई, फल, फूल व वस्त्र अर्पण करें। एक किलो चने की दाल के साथ सोने का कोई आभूषण दान करें। यदि लडके की शादी नहीं हो रही है तो ब्राहमण को दान करें और यदि लडकी की शादी नहीं हो रही है तो किसी कन्या को दान करें। इसके अलावा जल्दी होगी आपकी शादी इन उपायों उपायों से। सोमवार का दिन भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। इस दिन नीचे लिखा उपाय करने से आपके विवाह में आ रही बाधाएं नष्ट हो जाएंगी। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर भगवान शंकर के मंदिर जाएं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करें तथा शिवलिंग पर 108 आंकडे के फूल चढ़ाएं हुए ऊँ नमः शिवाय: मंत्र का जप करते रहें। इसके बाद 21 बिल्व पत्र चढाएं और भगवान शंकर से शीघ्र विवाह के लिए प्रार्थना करें। शुभ मुहूर्त में किया गया यह उपाय जल्दी ही आपकी समस्या का निदान करेगा।

वास्तु टिप्सः जानिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये ऑफिस

अगर आप खुद का व्यवसाय करना चाहते हैं लेकिन समझ में नहीं आ रहा है कि वहां का वास्तु कैसा हो, तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। हर किसी का सपना होता है कि वह अपने बिजनेस से अधिक से अधिक मुनाफा कमाए लेकिन सभी की यह मनोकामनाएं पूरी नहीं हो पाती।

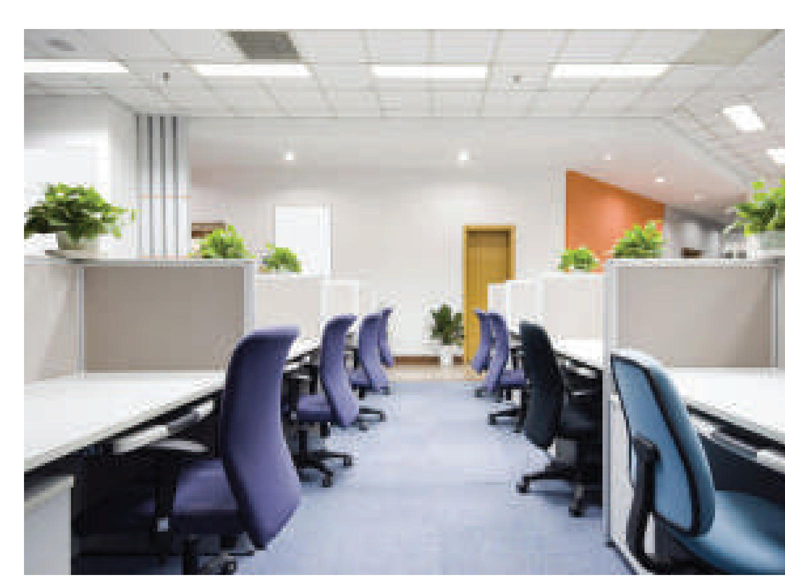

वास्तु टिप्स के अनुसार ये चीजे ना रखें अपने घर में

अगर आपके ऑफिस में मालिक के बैठने का सही स्थान या फिर रिसेप्शन की लोकेशन कहां होनी चाहिये जैसी महत्वपूर्ण जानकारी पता चल जाए तो समझलिये कि आप दिन दूनी रात चौगनी तरक्की करेंगे।

तो देर मत कीजिये और पढिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये आपका ऑफिस। ऑफिस के मालिक के बैठने की जगहः ऑफिस के मालिक के बैठने का स्थान दक्षिण पश्चिम कोने में होना चाहिए और बैठते समय उत्तर की तरफका सामना करना चाहिए।

कोई बाधा नहीं होनी चाहियेः

कार्यालय का प्रवेश द्वार बिल्कुल सीधा होना चाहिये। वहां कोई ऐसी चीज ना रखी हो जो आपको सीधे घुसने से रोक रही हो। मतलब ऑफिस का एंट्रेंस बिल्कुल साफऔर सीधा हो।

सेंटर हमेशा खाली रखें:

ऑफिस स्पेस या काम करने की जगह का सेंटर खाली रखें। अगर आप क्यूबिकल में बैठते हैं तो, उसके सेंटर में गोला बनाएं और उसमें मौजूद कोई भी चीज का प्रयोग ना करें।

रिसेप्शन की लोकेशनः

अगर आप बिजनेस चला रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि रिसेप्शन उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित हो। जब रिसेप्शनिस्ट कस्टमर या क्लायंट से बात करे तो, उसका मुख उत्तरी या पूर्वी दिशा में होना चाहिये। ऐसा करने से नए अवसर प्राप्त होते हैं।

पानी की शक्ति का प्रयोगः

ऑफिस में बहता हुआ पानी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। आप अपने ऑफिस के अंदर फाउंटेन आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इसे ऑफिस के उत्तरी या पूर्वी कोने में रखना चाहिये, जहां ये अधिक से अधिक लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचे। आप चाहें तो ब्लैकफिश और 9 गोल्डफिश वाला एक्वेरियम भी रख सकते हैं।

कहां होन चाहिये अकाउंट्स डिपार्टमेंटः

इसे कार्यालय के दक्षिण पूर्वी भाग में बनाना चाहिये। यह दिशा समृद्धि दिलाता है और अधिक रिर्टन को आकर्षित करता है। इस दिशा में है कि समृद्धि के लिए खडा है और जब लेखा विभाग वहाँ रखा जाता है, यह अधिक रिर्टन को आकर्षित करने में सक्षम हो जाएगा।

बुद्धि संसार की सबसे बडी शक्ति है

किसी अच्छाई या बुराई का मानदंड मूढ के लिए केवल दूसरों द्वारा उसे अच्छा या बुरा कह देना मात्र होता है। इनमें विवेक और बुद्धि का अभाव होता है।

बुद्धि संसार की सबसे बडी शक्ति है। जिसके पास बुद्धि है, उसके लिए सृष्टि का कोई भी कार्य ऐसा नहीं जिसे वह न कर सकता हो। अकारण दूसरों को हानि पहुंचाने और निंदा करने में दुर्जन आनंद पाते हैं। मूर्ख होने के कारण दंड के अभाव में वे भले लोगों के लिए संकट बन जाते हैं। मनस्वी एक बार जो बात स्वीकार लेते हैं, उससे संकट में भी विचलित नहीं होते। पर्वतीय नदी की धारा की तरह वे एक बार आगे बढ जाने पर पीछे मुडना नहीं जानते तेजस्वी का तेज प्रतिकूल परिस्थितियों में और अधिक उद्दीप्त होता है। लक्ष्य महान होने के कारण अपने से शक्तिहीन लोगों पर तेज नहीं प्रकट किया जाता। तेजस्वी के सामने अन्याय नहीं टिकता। तेजस्विता जन्मजात होने से किसी समय प्रभाव दिखा देती है। प्राणान्त होने की दशा में दूसरे द्वारा किए गए अपमान से स्वयं को बचाना ही तेज है। महापुरुष धीर और परोपकारी होते हैं। मित्रों के प्रति सच्चे, ईमानदार होने के कारण अपना स्वार्थ त्यागकर मित्र के कार्य को प्राथमिकता देते हैं। कृतज्ञ, शरणागत-वत्सल भेदरहित रहकर किसी के आगे हाथ नहीं फैलाते। आवश्यक होने पर किसी मध्यस्थ को रखकर अभ्यर्थना के पूर्ण न होने पर सम्मान बचाते हैं। एक बार कार्य स्वीकार कर लेने पर उसे पूरा करके ही मानते हैं दयालु और कारुणिक होने से दूसरे के दुख को देखकर इनका हदय पिघल जाता है। इन्हें धन, जीवन का कोई मोह नहीं होता, केवल अपने यश और मान की चिंता रहती है। अपने द्वार से किसी को खाली हाथ लौटाने को महापुरुष मृत्यु से बढकर मानते हैं। संकट और प्रतिकूलताएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। परमसिद्ध की साधना से निकली वाणी सत्य की तरह होती है। क्रोध महाविनाशक और करुणा महान उपकारक होती है। जहां इनके चरण पडते हैं, वह स्थान तीर्थ सा पावन हो जाता है। अन्याय करने वाले के समर्पण पर क्षमा कर देते हैं। सज्जन सद्गुणों के अवतार होते हैं। सरल, सौम्य रहते हैं। दूसरे संत के बढते तप, तेज और महत्व को देखकर प्रसन्न होते हैं। कुछ विद्वान अपने विषय के दूसरे विद्वानों के बढते हुए आधार को सहन नहीं कर पाते। गुणवान अपना आत्म-सम्मान बचाते हैं।

पंचक में मृत्यु, भय का विषय नहीं

पंचक का नाम सुनते ही सनातन धर्म को मानने वाले,वैदिक ज्योतिष के समर्थक सतर्क हो जाते हैं। उस पर उनके परिवार में कोई बीमार हो, बचने की उम्मीद न हो तो वह भगवान से यही मनाते हैं कि-हे प्रभु, पंचक में इनकी मृत्यु न हो। अगर हो गई तो ये अपने साथ परिवार के चार सदस्यों को ओर ले जाएगा। जनसाधारण के मन में इसे लेकर गहरा डर बैठा हुआ है। अब जानते हैं कि यह कैसे बनता है। पंचक अर्थात पांच नक्षत्रों का समूह-धनिष्ठा के स्वामी मंगल, शतभिषा के स्वामी राहू, पूर्वाभाद्रपद के बृहस्पति, उत्तराभाद्रपद के शनि और रेवती के स्वामी बुध आदि से बनता है। पंचक में शामिल सभी नक्षत्र मृत्यु आदि में अद्भुत माने गए हैं। किसी सनातन धर्म को मनाने वाले के यहां जब मृत्यु होती है उसके यहां गरुड पुराण का पाठ मृतक को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिवार का दुख दूर करने के लिए किया जाता है। इसमें परिवार के सभी सदस्य और नजदीकी रिश्तेदार शामिल होते हैं। अमूमन 8 दिन चलने वाली यह कथा अब समय के अभाव के कारण एक दिन की हो गई है।

उसी गरुड पुराण से हमारा पंचक से उत्पन्न डर भी दूर होता है। इसमें साफ-साफलिखा है कि अगर पंचक में किसी की मृत्यु हो जाए तो उसमें कुछ सावधानियां बरतना चाहिए। सबसे पहले तो दाह-संस्कार संबंधित नक्षत्र के मंत्र से आहुति देकर नक्षत्र के मध्यकाल में किया जा सकता है। विधि विधान से की गई आहुति पुण्यफल प्रदान करती हैं। साथ ही अगर संभव हो दाह संस्कार तीर्थस्थल में किया जाए तो उत्तम गति मिलती है। दाह संस्कार करने वाले ब्राहमणों को इसके साथ ही अभिमंत्रित कुश के बने चार पुतलों को पार्थिव देह के समीप रखना चाहिए।

साथ ही नियमपूर्वक मंत्रसहित विधिपूर्वक यह काम करना चाहिए। पुतलों सहित फिर देह का दाह संस्कार करना धर्मसम्मत माना जाता है। साथ ही शोकाकुल परिवार जब सूतक की समय सीमा समाप्त हो तो मृतक की संतान को शांतिकर्म अवश्य करना चाहिए। हां, जब तक पंचक की शांति न हों तब तक न तो अंतिम यात्रा निकलनी चाहिए और न ही मृत प्राणी के लिए जल प्रदान करना चाहिए। अगर यह सब होता है तो वह अद्भुत फल प्रदान करता है। यह तो आप जानते ही हैं कि पंचक में ब्राहमण आदि समस्त जातियों का दाह संस्कार-बलिकर्म पंचक की शांति होने तक नहीं किया जा सकता। मृतक को सद्गति प्राप्त हो इसलिए तिल, गाय, संभव हो तो सोना और घी का दान जरूरतमंदों को करना चाहिए। इससे सभी प्रकार के डर समाप्त हो जाते हैं। परिवार के सदस्य पीपल, तुलसी, आंवला का वृक्ष मृतक की याद में लगाए तो भी बहुत लाभ होता है।

साथ ही नियमानुसार हर अमावस्या पर मृतक के लिए बराबर तिल मिश्रित जल से तर्पण करना चाहिए। संभव हो तो विप्र भोजन दक्षिणा सहित होना चाहिए। श्राद्धपर्व के 16 दिन तो अवश्य विधि-विधान से श्राद्ध होना चाहिए। अगर यह सब किया जाए तो मृतक को सद्गति प्राप्त होती है और परिवार के सदस्यों को सुख, समृद्धि और शांति मिलती है।

स्टाइल टिप: हर लड़की के पास होने चाहिए ये फुटवेयर

भले ही आपने फैशनेबल परिधान पहना हो, लेकिन अगर जूते उसके अनुरूप नहीं हुए तो पूरा लुक खराब हो जाता है। बढ़िया फुटवेयर केवल कंफर्ट के लिए ही नहीं, स्टाइल के लिए भी ज़रूरी है। हर फुटवेयर को पहनने का एक वक्त और मौका होता है। आप एक ही जूते सभी कपड़े और सभी ओकेजन पर नहीं पहन सकते ।
इसलिए हर लड़की को अपने शू-रैक में कम से कम इन 5 तरह के फुटवेयर तो रखने ही चाहिए...

1. **ग्लैडिएटर :** जैसा की नाम दर्शाता है, रोमन साम्राज्य में ग्लैडियेटर्स (तलवार चलानेवाले) ऐसे जूते पहनते थे। क्लासी और रौबदार लुक के लिए ये जूते परफ़ेक्ट पिक हैं। शॉर्ट ड्रेस पर ये सबसे ज्यादा फबते हैं।

स्ट्रैप सैंडल : ऑफिस या ट्रैवल के लिए स्ट्रैप वाले सैंडल्स सबसे आरामदयाक और सही साबित होते हैं। ये किसी भी ड्रेस के साथ पहने जा सकते हैं। कोशिश करें कि कम से कम एक ऐसी स्ट्रैप वाली सैंडल अपने वार्डरोब में ज़रूर रखें जो न तो ज्यादा भड़कीला और सजीला हो, ना ही बेहद सादा।

स्नीकर्स : अगर आपके अंदर छुपे 'टॉमब्वॉय' को स्टेलेटोज़ से डर लगता है तो ज़ाहिर है आपके पास स्नीकर्स तो पक्का होंगे। ब्वॉयफ्रेंड जींस के साथ ये सबसे ज्यादा मैच करते हैं। अगर आपके पास प्लेन कैनवस जूते हैं तो आप उन्हें पेंट करके नया लुक भी दे सकते हैं।

सावधान! किसी भी वेबसाइट को खोलने से पहले इन 5 बातों का रखें ख्याल

किसी भी चीज की जानकारी प्राप्त करने के लिए आज के इस डिजिटल युग में हम इंटरनेट का सहारा लेते हैं। काम के आलावा दिन भर में न जाने कितनी ऐसी वेबसाइट है जिनको हम क्लिक करते है। इन्टरनेट की इस दुनिया में ऐसे बहुत की वेबसाइट है जो आपके कंप्यूटर, लैपटॉप या टैब को नुक्सान पंहुचा सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप किसी भी वेबसाइट को ओपेन करने से पहले जांच लें कि वो वेबसाइट सही है या नहीं। हम ऐसी ही कुछ वेबसाइट्स की जानकारी दे रहे हैं जिन्हें आपको ओपेन नहीं करना चाहिए।

1. **मैलवेयर वाली वेबसाइट :** हैकर्स द्वारा किसी की भी जानकारी को हैक करने के लिए मैलवेयर का काफी उपयोग किया जाता है। इसलिए आप केवल ऐसे ही लिंक या साइट पर क्लिक करें जो जिस पर आपको विश्वास है। किसी भी अंजान या संदिग्ध ई-मेल आदि पर क्लिक न करें। इसके लिए सबसे बेहतर तरीका है कि आप आपने डेस्कटॉप या लैपटॉप में किस अच्छे एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें ताकि साइट से मैलवेयर को ब्लॉक कर सकें।
2. **बिना सिक्योरिटी वाली वेबसाइट्स :** किसी भी वेबसाइट को खोलने से पहले खासकर वे सभी साइट्स जिनपर आपको रुपये का लेनदेन करना हो इसके लिए सबसे आसान तरीका है कि पहले वेबसाइट का यूआरएल चेक करें। जो कि ह्ल्ल्रश्चह्य से शुरू होना चाहिए। यदि वेबसाइट के यूआरएल में ह्ल्ल्रश्चह्य दिया गया है तो वह सुरक्षित है। यदि ऐसा नहीं है तो आपकी जानकारियां आसानी से हैक की जा सकती हैं।

महाभारत की इन 7 बातों को मानेंगे तो सफलता चूमेगी आपके कदम

सफलता हर इंसान की चाहत होती है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि सफलता सभी को नहीं मिलती है। आखिर ऐसा क्यों होता है? इस संबंध में कई कारण ढूंढे जा सकते हैं, लेकिन मोटे तौर कामयाबी नसीब न होने के पीछे लक्ष्य को लेकर उदासीनता, विचार और कर्म में सही तालमेल का अभाव बड़ा कारण नजर आता है।

दरअसल सफलता में निरंतरता भी अहम होती है, क्योंकि उसके बिना तरक्की संभव नहीं। किंतु अगर मकसद साफ हो, सही विचार हो और कर्मशक्ति भी मौजूद हो तब भी सफलता और तरक्की दूर रह जाए तो फिर इसके क्या कारण हो सकते हैं? इस सवाल का जवाब हिन्दू धर्म ग्रंथ महाभारत के जरिये भी मिलता है। सफलता और तरक्की के ये 7 सूत्र जीवन में उतारकर साधारण इंसान भी असाधारण ऊंचाइयों को पा सकता है-

उत्थानं संयमो दाक्ष्यमप्रमादो धृतिः स्मृतिः।
समीक्ष्य च समारम्भो विद्धि मूलं भवस्य तु।।

इस श्लोक में जीवन में कर्म, विचार और व्यवहार से जुड़ी 7 बातें उन्नति का मूल मंत्र मानी गई है। ये बाते हैं-

उद्यम या परिश्रमः अक्सर सफलता पाने की जल्दबाजी या बेचैनी में कई लोग आसान और छोटे रास्ते या तरीकों को चुन तो लेते हैं। लेकिन मनचाही सफलता से दूर रहने पर निराशा के दौर से गुजरते हैं। असल में सफलता के लिए संकल्प, कर्म के साथ उद्यम यानी परिश्रम की भावना के तय पैमानों को अपनाए बिना कामयाबी की मंजिल को छूना और उस पर कायम रहना मुश्किल है।

संयमः छोटी या थोड़ी-सी सफलता मिलने पर मन व विचार पर काबू या उतावलेपन से बचना, क्योंकि बिना धैर्य और संयम के सफलता साथ छोड़ देती है, बल्कि तरक्की के रास्ते भी बंद हो जाते हैं।

दक्षताः सफलता को अवसरों को भुनाने और जल्द लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किसी भी कार्य या कला में कुशलता या महारत बड़ी मददगार होती है। इसलिए बिना अहंकार के सीखने की जिज्ञासा बनाए रखें।

धैर्यः तमाम कोशिशों के बाद भी अगर मनचाहे परिणाम न मिलने या अपेक्षा पूरा न होने पर लक्ष्य से न भटकें या न उसे छोड़ने का विचार करें। बल्कि मजबूत संकल्प और दोगुनी मेहनत के साथ उसे पाने में जुट जाएं।

सावधानीः किसी भी तरह की सफलता के रास्ते में कई बाधाएं भी मुमकिन है। इसलिए सारी संभावनाओं और स्थितियों के आंकलन और विश्लेषण के साथ विषय, कार्य और स्थिति के प्रति जागरूकता और सावधानी रखें।

स्मृतिः इसकी अलग-अलग अर्थों और परिस्थितियों में अलग-अलग अहमियत है। जैसे ज्ञान और स्मरण शक्ति के अलावा दूसरों के उपकारों,

इन स्वास्थ्य आदतों का नहीं मिलेगा लाभ

क्या आपको पता है कि कुछ ऐसी आदतें हैं जिन्हें आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में 'हेल्थी हेबिट्स' की तरह न जाने कब से फ़ॉलो करते आ रहे हैं लेकिन उनका फायदा न के बराबर है। जी हां आज हम आपको ऐसे ही कुछ फैक्ट्स से रूबरू कराने जा रहे हैं जो आपकी जिंदगी को बदल कर रख देंगे:

हैंड सैनिटाइज़र बकवास है

शायद आपको नहीं पता हो लेकिन आपका हैंड सैनिटाइजर आपको सिर्फ दो सामान्य तरह के संक्रमण से ही सुरक्षा दे सकता है। बाकी हाथों को साफ़ रखने के लिए उन्हें साबुन से धोना ही अब तक सबसे बेहतर उपाय है।

माइक्रोवेव है ज्यादा काम का

आमतौर पर लोग मानते हैं कि माइक्रोवेव में खाना बनाने से उसकी पौष्टिकता पर बुरा असर पड़ता है। लेकिन हम आपको बता दें कि ये सरासर गलत है। असल में गैस चूल्हे के मुकाबले माइक्रोवेव में बने खाने में पौष्टिक तत्वों के ख़राब हो जाने की संभावना कम होती है।

उतना पौष्टिक नहीं है बादाम मिल्क

आमतौर पर सामन्य दूध से ज्यादा बादाम मिल्क को पौष्टिक समझा जाता है जबकि हम आपको बता दें कि बादाम मिल्क सामान्य दूध से ज्यादा सिर्फ 2% ज्यादा पौष्टिक होता है।

फ्रूट जूस

भारतीयों में फ्रूट जूस पीने की आदत भी बाकी देशों के मुकाबले काफी ज्यादा है। हालांकि फल खाने के मुकाबले जूस पीना सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद नहीं होता। फलों में आमतौर पर फाइबर होता है जिसे जूस पीने के चक्कर में ज्यादातर लोग वेस्ट कर देते हैं।

कान साफ़ करने का मतलब

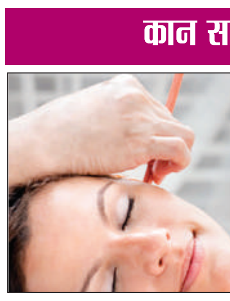

बहुत से लोग कान में ईयर बड घुसाकर उसे साफ़ करने के जतन करते नज़र आते हैं। लेकिन हम आपको बता दें कि कान के बाहरी हिस्से कि सफाई के अलावा उसे साफ़ करने का कोई मतलब नहीं होता। असल में आप कान के वैक्स को और अन्दर की तरफ धकेलने के आलावा और कुछ भी नहीं कर रहे होते।

टॉयलेट सीट पर टिशु पेपर

साफ़-सफाई पसंद करने वाले लोग अक्सर टॉयलेट सीट पर भी टिशु पेपर बिछाना पसंद करते हैं जबकि ऐसा करके आप टॉयलेट में मौजूद सारी गंदगी को टिशु के जरिये शरीर के और पास ले आते हैं।

डायबिटीज़ पीड़ित दें ध्यान! आंखों को नियमित रूप से टेस्ट करवाना है जरूरी

डायबिटीज़ एक ऐसी बीमारी है, जो कई बीमारियों के साथ दस्तक देती है। डायबिटीज़ के साथ-साथ व्यक्ति में फैट, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर आदि असामान्य हो जाते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है जो जीवन भर व्यक्ति के साथ रहती है। वहीं, मरीज को सामान्य लोगों की तुलना में अपनी सेहत का ज्यादा ख्याल रखना पड़ता है।

हाल ही में पता लगा है कि डायबिटीज पीड़ितों के लिए समय-समय पर आंखों की जांच करवाना जरूरी होता है, क्योंकि अकसर देखा गया है कि रेटिनोपैथी की आखिरी स्टेज आने तक मरीज़ों को पता नहीं चल पाता और तब तक उचित इलाज की संभावना भी कम रह जाती है। बीमारी फैलने की रफ्तार तेज हो सकती है, इसलिए रेटिनल रोग का ध्यान रखने के लिए मधुमेह रोगियों की नियमित जांच होती रहनी चाहिए।

एचसीएफआई के प्रेसीडेंट और आईएमए के मानद महासचिव डॉ. के.के. अग्रवाल ने बताया कि आखों, दिल के रोगों, छोटी रक्त शिराओं (छोटी ब्लड वेसल) के क्षतिग्रस्त होने के बेहद शुरुआती संकेत अन्य लक्षणों के नजर आने से पहले ही देती हैं। रेटिनोपैथी वाले मधुमेह रोगियों की इस रोग के बिना वाले लोगों की तुलना में अगले बारह सालों में मौत होने की संभावना होती है।

आस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी और यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के अध्ययनों के मुताबिक, इस रोग से जो लोग पीड़ित नहीं है, उनकी तुलना में रेटिनोपैथी वाले रोगियों की दिल की बीमारी से मौत होने की संभावना करीब दोगुनी होती है।

आंखों में बदलाव से पीड़ितों को यह चेतावनी मिल सकती है कि उनकी रक्त धमनियों को क्षति पहुंच रही है और उनके लोअर कोलेस्ट्रॉल और लोअर ब्लडप्रेशर पर असर हो रहा है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि इस बीमारी से रहित रोगियों की तुलना में रेटिनोपैथी वाले रोगियों को दिल के दौरे स्ट्रोक, रिव्सकुलराइजेशन और दिल के रोग से मौत होने की आशंका ज्यादा रहती है।

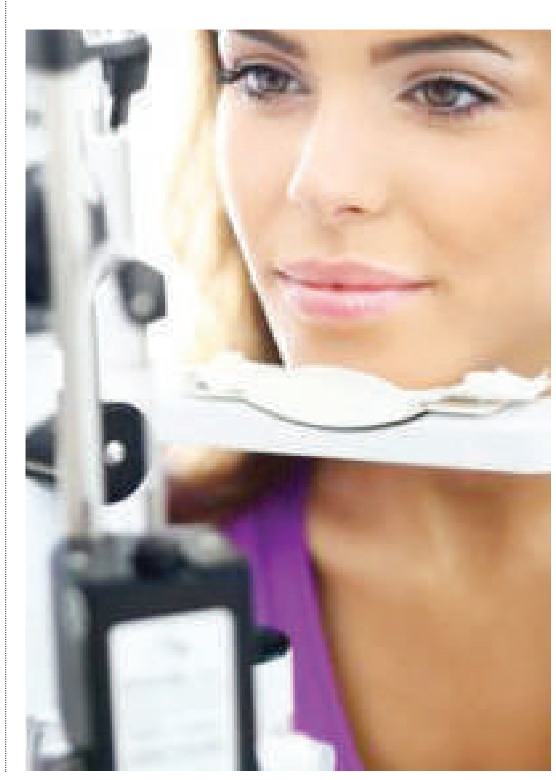

मानसून में बच्चों को बचाना हैं बीमारियों से दें यह दवा

मानसून में जमीन में रहने वाले ज्यादातर कीड़े सतह पर आ जाते हैं और सब्जियों को प्रदूषित करते हैं। बारिश की वजह से होने वाली नमी में मक्खियां-मच्छर पनपते हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मानद महासचिव पद्मश्री डॉ. के.के. अग्रवाल ने बताया कि यह इसलिए जरूरी है कि सभी फल और सब्जियां साफ पानी के साथ अच्छे से धोए जाएं और अगर जरूरत हो तो बीमारी से बचने के लिए पोटाशियम परमेंगनेट का प्रयोग किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि गोल कीड़े अक्सर जमीन में मौजूद होते हैं। उनके मल से होने वाले प्रदूषण से बचने के लिए बेहतर साफ सफाई की बेहद आवश्यकता होती है, जो कि मानसून में लगभग असंभव होती है।

खाने से पहले अच्छी तरह से हाथ धोना और उबला हुआ पानी पीने से गोल कीड़े के संक्रमण से बचा जा सकता है, लेकिन भारतीय माहौल में यह संभव नहीं हो सकता है। इससे बचने का सबसे आसान तरीका है बच्चे को साल में तीन से चार बार डी-वॉर्मिग गोलियां देना। स्कूल जाने वाले बच्चों को तीन से चार महीनों में डी-वॉर्मिग गोली की एक खुराक देने की सलाह कई देशों में दी जाती है। एक अध्ययन में पाया गया कि मेबनडाजोल गोली साल में तीन बार देने से गोल कीड़े के संक्रमण में 97 प्रतिशत तक कमी आई।

घर के लिए सही फर्नीचर कैसे चुनें

क्या आपने अपने सपनों का घर खरीद लिया है? आप कब से ये सपना देख रहे थे! जब आप होस्टल में कड़े पलंग पर सोते थे तभी आपने सोचा था कि जब आप अपना घर खरीदेंगे तो एक नर्म पलंग भी खरीदेंगे, है न? तो अब अपना सपना पूरा करने का समय आ गया है। परन्तु घर के लिए फर्नीचर खरीदने के पहले आपको कुछ सलाह की आवश्यकता है ताकि आप घर के लिए उचित फर्नीचर खरीद सके। घर के लिए उत्तम फर्नीचर का चुनाव कैसे करें? इस विष्य में आपको बहुत सावधानी बरतनी होगी। तो अब घर के लिए उचित फर्नीचर का चुनाव करने के लिए किसी प्रकार का टेंशन लेने की आवश्यकता नहीं है। आपकी सहायता के लिए कुछ उपयोगी सलाह दी जा रही हैं।

बनावट देखेंः एल्युमीनियम के हल्के फर्नीचर के बजाय लकड़ी के भारी फर्नीचर खरीदें। लकड़ी का फर्नीचर कई सालों तक उपयोग में लाया जा सकता है तथा यह आपके घर को विशेष रूप प्रदान करता है। यदि आप भारी फर्नीचर नहीं खरीदना चाहते तो आप लकड़ी का पतला फर्नीचर भी खरीद सकते हैं।

अपना बजट बनायेंः अपने घर के लिए उचित फर्नीचर का चुनाव कैसे करें? केवल अपना बजट निर्धारित करके। एक ही चीज़ खरीदने पर अधिक पैसे खर्च न करें क्योंकि आप उतने ही पैसों में और अधिक चीज़ें भी खरीद सकते हैं। इसके अलावा यदि आप कुछ वस्तुओं पर बहुत अधिक खर्च कर देते हैं तो आप अन्य फर्नीचर नहीं ले पायेंगे जो वास्तव में आपके लिए बहुत आवश्यक है। 3. उचित डिज़ाइन चुनेंः आपको फर्नीचर के डिज़ाइन का चुनाव करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। याद रखें, आप थोड़े थोड़े अंतराल के बाद इसे बदलने वाले नहीं हैं। तो ऐसे डिज़ाइन का चुनाव करें जो पूरी तरह आधुनिक हो तथा भविष्य में पुराना न दिखाई दे। इसके अलावा आप कुछ पारंपरिक प्रकार के फर्नीचर का चुनाव कर सकते हैं। 4. थीम चुनेंः विशेष्ज्ञ कहते हैं कि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके घर में कितनी जगह है।

टैटू हटाने के आसान उपाय

तो अब आपको अपने बदन से वो टैटू हटवाना है जो आपने बड़ी ही एक्साइटमेंट में आ कर तमाम दर्द झेल कर बनवाया था। आज कल टैटू गुदवाने का चलन इतना चल पड़ा है कि हर दूसरा इंसान आपको टैटू गुदवाए दिख जाएगा। टैटू गुदवाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं लेकिन अगर अब आप अपने टैटू को देख देख कर बोर हो चुके हैं और उसे अपने शरीर से हटवाना चाहते हैं तो, हम आपकी मदद करेगें। नीचे कुछ ऐसे तरीके दिये हुए हैं, जिससे आप टैटू को बिना दर्द और परेशानी के अपनी त?वचा से निकाल सकते हैं। आइये जानते हैं ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में-

अपनाइये ये विधि-

क्यू सविच्ड़ लेजर- यह एक लेजर विधि है जो कि टैटू को हटाने के काम आती है। त्वचा पर लाइट की किरण डाल कर टैटू की इंक को खत्म किया जाता है। इसमें बिल्कुल भी दर्द नहीं होता और साथ ही त्वचा पर ना कोई निशान पड़ता है और न ही जलन होती है। तीव्र स्पंदित लाइट थेरेपी- अगर आपको लेजर दृारा टैटू नहीं हटवाना है तो आप इस विधि का प्रयोग कर सकते हैं। इसमें लेजर लाइट की जगह पर उच्च तीव्र प्रकाश का प्रयोग किया जाता है। त्वचा पर जैल लगा कर बाद में उस पर तीव्र लाइट मारी जाती है और टैटू साफ किया जाता है। लेकिन इस विधि में पैसे बहुत खर्च होते हैं। टैटू रिमूवल क्रीम- अगर लोगों को लगता है कि लेजर विधि महंगी होगी तो वे टैटू रिमूवल क्रीम का प्रयोग कर सकते हैं। इसे लगातार लगाना होगा जिससे धीरे धीरे टैटू साफ हो जाए। क्रीम खरीदते वक्त अच्छी क्वालिटी का क्रीम ही लें नहीं तो सस्ती क्रीम आपकी त्वचा पर बुरा प्रभाव डाल सकती है। नमक का पानी- अगर आप लेजर विधि या क्रीम का प्रयोग नहीं करना चाहते हैं तो, यह घरेलू उपाय आपके काम आ सकता है। नमक मिले पानी में कपड़ा भिगो कर अपने टैटू को आधे घंटे तक रगड़े और ऐसा ही प्रति दिन करें। टैटू को आधे घंटे से ज्यादा ना रगड़े नहीं तो उस जगह पर खून बहने लगेगा ।

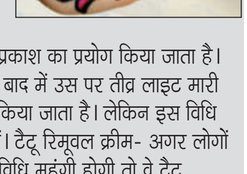

काली मिर्च और अदरक बना सकती है आपको सेहमतंद!

मानसून सीजन में इंफ़ेक्शन, एलर्जी, कोल्ड होना आम बात है. इंफ़ेक्शन से शरीर में काफी कमजोरी आ जाती है. कई बार ऐसी स्थिति में खाना पचाना मुश्किल होता है और इम्?यून सिस्टम भी कमजोर हो जाता है. तो चलिए आज जानते हैं कैसे आप मानूसन सीजन में इम्यून सिस्टम बढ़ा सकते हैं.

इम्यून सिस्टम मजबूत करने के लिए सबसे पहले तो आपको हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना चाहिए.

दूसरा अपनी नींद पूरी करें. नींद के साथ कोई कोम्प्रोमाइज ना करें. कम से कम 7 से 8 घंटे सोएं.

तनाव से दूर रहें. तनाव का इम्यून सिस्टम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है.

इम्यून बढ़ाने के लिए खाएं ये फूडः प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करने के लिए कुछ फूड ऐसे हैं जिसे आप खाना बनाने के दौरान शामिल कर सकते हैं.

काली मिर्चः पाउडर के तौर पर या क्रश करके किसी भी रूप में आप काली मिर्च का सेवन करें. इससे गैस्ट्रिक प्रॉब्लम्स नहीं होंगी. काली मिर्च से शरीर में पनपने वाले कई बैक्टीरिया खत्म किए जा सकते हैं. इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल तत्व बुखार और अन्य इंफ़ेक्शंस से बचाते हैं.

अदरक और लहसूनः सुपर एंटी इंफ्लेमेट्री तत्वों से भरपूर अदरक और लहसून शरीर में होने वाले दर्द और मितली से बचाते हैं. अंगुठे के आकार की अदरक, एक नींबू, 2-4 टुकड़े लहसून के और एक गाजर. इन सबका जूस बनाकर पीने से इम्यून सिस्टम बहुत मजबूत होता है.

तुलसीः बुखार, अस्थमा या फ़ेफड़ों की किसी भी तरह की बीमारी से तुलसी खाकर बचा जा सकता है. तुलसी की कुछ पत्तियों को पानी में डालकर पीने से पानी भी साफ हो जाता है.

संपादकीय

दवा न बने दारू

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं को सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चिय ही स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरफ आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे-जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे-वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है। बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि नियमों को तोड़कर दवा के दुरुपयोग की कोशिश करने वालों की निगरानी के लिये ड्रग इंस्पेक्टरों की पर्याप्त संख्या हो। इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है। जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच-समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों को अवगत कराएं। इन बोतलों पर दवा का लेबल लगाने का अंतिम निष्कर्ष यह नहीं है कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बहरहाल, नियमों में बदलाव सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी को ही दर्शाता है। जो यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि इलाज के लिए उपयोग होने वाले उत्पादों से लोगों को फायदा ही हो, नुकसान नहीं। निस्संदेह, सरकार ने सही दिशा में कदम उठाया है। अब इस नियम को सख्ती से लागू करने का पक्का इरादा भी दिखाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इस रोग का पूरा इलाज नहीं हो पायेगा।

अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं को सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं।

समाज के नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर कमी रह गई

आस्था की चौखट पर असुरक्षा

भारत की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके इतिहास, भाषाओं और परंपराओं से नहीं बनती, बल्कि उन आस्था-स्थलों से भी निर्मित होती है जिन्होंने सदियों से समाज को नैतिकता, सहअस्तित्व और सामुदायिक एकता का संदेश दिया है। मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं; वे विश्वास, संस्कृति, लोकजीवन और सामाजिक सहभागिता के जीवंत केंद्र हैं। यहां लोग केवल ईश्वर के दर्शन करने नहीं आते, बल्कि अपने सुख-दुख साझा करने, मन की शांति पाने और जीवन के संघर्षों में आशा का संबल प्राप्त करने आते हैं। यही कारण है कि जब किसी मंदिर में चोरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता। यह करोड़ों लोगों की आस्था, सामाजिक विश्वास और सांस्कृतिक चेतना पर सीधा आघात होता है। बीते कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से मंदिरों में दानपेटियां तोड़ने, नकदी चुराने, बहुमूल्य आभूषण गायब करने, प्राचीन मूर्तियों की तस्करी करने और धार्मिक सामग्री की चोरी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। कई मामलों में अपराधियों ने आधुनिक तकनीक का उपयोग किया, जबकि कई घटनाओं में अंदरूनी मिलीभगत की आशंका भी सामने आई। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि समाज के नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर कमी रह गई है। जिस स्थान को लोग सबसे सुरक्षित और पवित्र मानते हैं, यदि वही अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनने लगे, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। मंदिरों में चोरी को सामान्य संपत्ति-अपराध की श्रेणी में रखकर उसकी गंभीरता को कम नहीं आंका जा सकता। किसी दुकान, मकान या कार्यालय में चोरी आर्थिक क्षति पहुंचाती है, लेकिन मंदिर में चोरी विश्वास की जड़ों को भी कमजोर करती है। श्रद्धालु अपनी कमाई का एक हिस्सा ईश्वर के प्रति कृतज्ञता, सेवा और समाजहित की भावना से दान करते हैं। वे यह विश्वास रखते हैं कि उनका अर्पण धर्मार्थ कार्यों, सामाजिक सेवा और मंदिर व्यवस्था में उपयोग होगा। जब वही धन चोरी हो जाता है, तो केवल दानपेटी खाली नहीं होती, बल्कि श्रद्धालु के मन में भी संदेह और पीड़ा जन्म लेती है। यही कारण है कि मंदिरों में चोरी की घटनाएं समाज में सामान्य अपराधों की तुलना में कहीं अधिक भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करती हैं। ऐसी घटनाओं के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण नकद दान की परंपरा है। आज भी देश के अधिकांश मंदिरों में बड़ी मात्रा में नकद चढ़ावा आता है। अनेक छोटे और मध्यम मंदिरों में दान की गणना, सुरक्षित भंडारण और बैंक में जमा करने की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं होती। कई बार दानपेटियां लंबे समय तक नहीं खोली जातीं, जिससे उनमें बड़ी मात्रा में नकदी जमा हो जाती है। यह स्थिति अपराधियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाती है। जहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो और बड़ी मात्रा में नकद धन उपलब्ध हो, वहां अपराध की संभावना

स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण सुरक्षा व्यवस्था की अपर्याप्तता है। महानगरों के कुछ प्रसिद्ध मंदिरों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक अलार्म सिस्टम, रात्रि सुरक्षा, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और डिजिटल निगरानी जैसी व्यवस्थाएं या तो उपलब्ध नहीं हैं या केवल औपचारिक रूप से स्थापित हैं। कई कैमरे खराब पड़े रहते हैं, रिकॉर्डिंग का बैकअप सुरक्षित नहीं होता और नियमित निगरानी भी नहीं की जाती। अपराधी इन कमियों का अध्ययन कर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देते हैं। प्रबंधन संबंधी कमजोरियां भी ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देती हैं। अनेक मंदिरों का संचालन पारंपरिक ढंग से होता है, जहां वित्तीय जवाबदेही और प्रशासनिक पारदर्शिता के स्पष्ट मानक नहीं बने हैं। दान की गणना, लेखा-जोखा, व्यय और भंडारण की प्रक्रिया कई बार व्यवस्थित नहीं होती। जहां जवाबदेही कमजोर होती है, वहां गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ जाती है। कुछ मामलों में चोरी बाहरी अपराधियों द्वारा नहीं, बल्कि अंदरूनी मिलीभगत से भी की जाती है। यह स्थिति अधिक चिंताजनक इसलिए है क्योंकि इससे संस्था के भीतर का विश्वास भी टूटता है। सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां भी इस समस्या से जुड़ी हुई हैं। बेरोजगारी, नशे की लत, कर्ज का बोझ, त्वरित धन कमाने की मानसिकता और नैतिक मूल्यों का ह्रास कुछ लोगों को अपराध की ओर धकेलता है। हालांकि इन कारणों के आधार पर किसी भी अपराध का औचित्य सिद्ध नहीं किया जा सकता। मंदिरों में चोरी केवल आर्थिक मजबूरी का परिणाम नहीं होती; अनेक मामलों में यह संगठित अपराध, मूर्ति तस्करी और पेशेवर गिरोहों की सुनियोजित गतिविधि होती है। विशेष रूप से प्राचीन मूर्तियों और दुर्लभ धार्मिक कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवैध मांग भी ऐसे अपराधों को बढ़ावा देती है। मंदिर में चोरी का सबसे गहरा प्रभाव श्रद्धालुओं की भावनाओं पर पड़ता है। जब कोई व्यक्ति अपने परिवार की खुशहाली, बच्चों के भविष्य, स्वास्थ्य या किसी मनोकामना की पूर्ति के लिए श्रद्धापूर्वक दान करता है, तो वह केवल धन नहीं देता, बल्कि अपना विश्वास भी समर्पित करता है। यदि वही विश्वास असुरक्षित महसूस करने लगे तो समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति संदेह बढ़ने लगता है। कई लोग दान देने से हिचकने लगते हैं, मंदिर समितियों पर प्रश्न उठने लगते हैं और स्थानीय स्तर पर आरोप-प्रत्यारोप का वातावरण बन जाता है। इस प्रकार एक चोरी केवल धन का नुकसान नहीं करती, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक एकता को भी प्रभावित करती है। धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को केवल धार्मिक विषय मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रश्न है। जिस प्रकार बैंक, संग्रहालय, विद्यालय और सार्वजनिक संस्थानों के लिए सुरक्षा के मानक निर्धारित होते हैं, उसी प्रकार मंदिरों के लिए भी न्यूनतम सुरक्षा मानक तय किए जाने चाहिए। प्रत्येक मंदिर की आय, आकार और संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जा सकती है। बड़े मंदिरों में अत्याधुनिक निगरानी व्यवस्था, नियंत्रित प्रवेश, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और डिजिटल प्रबंधन आवश्यक है, जबकि छोटे मंदिरों में स्थानीय पुलिस, ग्राम समितियों और नागरिकों के सहयोग से प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित किया जा सकता है। आज के डिजिटल युग में तकनीक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, क्लाउड आधारित रिकॉर्डिंग, गति-संवेदी अलार्म, बायोमेट्रिक प्रवेश प्रणाली, स्मार्ट लॉक और आपातकालीन सूचना प्रणाली मंदिरों की सुरक्षा को मजबूत बना सकती हैं। दानपेटियों को निर्धारित समय पर ही खोला जाए और यह प्रक्रिया कम-से-कम दो या तीन जिम्मेदार व्यक्तियों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो। नकद गिनती की वीडियो रिकॉर्डिंग, हस्ताक्षरित रजिस्टर और बैंक में तत्काल जमा की व्यवस्था से अनियमितताओं की संभावना काफी कम हो सकती है। डिजिटल दान प्रणाली भी समय की आवश्यकता बन चुकी है। यूपीआई, क्यूआर कोड, नेट बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नकदी पर निर्भरता कम कर सकती हैं। इससे चोरी का जोखिम घटेगा और दान की पारदर्शिता भी बढ़ेगी। श्रद्धालुओं को डिजिटल रसीद उपलब्ध कराई जा सकती है तथा मंदिरों की आय और व्यय का वार्षिक विवरण सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है। पारदर्शिता बढ़ने से श्रद्धालुओं का विश्वास भी मजबूत होगा और प्रबंधन की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। सुरक्षा व्यवस्था केवल उपकरणों से मजबूत नहीं होती; उसके लिए उत्तरदायी प्रबंधन भी आवश्यक है। मंदिर समितियों को नियमित आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराना चाहिए। आय-व्यय का स्वतंत्र परीक्षण, संपत्तियों का डिजिटलीकरण, बहुमूल्य आभूषणों का सुरक्षित भंडारण और समय-समय पर भौतिक सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। जहां जवाबदेही स्पष्ट होगी, वहां भ्रष्टाचार और चोरी की संभावनाएं स्वतः कम होंगी। समाज की भूमिका भी इस विषय में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी धार्मिक स्थल की सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं हो सकती।

भाषाओं और परंपराओं से नहीं बनती, बल्कि उन आस्था-स्थलों से भी निर्मित होती है जिन्होंने सदियों से समाज को नैतिकता, सहअस्तित्व और सामुदायिक एकता का संदेश दिया है। मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं; वे विश्वास, संस्कृति, लोकजीवन और सामाजिक सहभागिता के जीवंत केंद्र हैं। यहां लोग केवल ईश्वर के दर्शन करने नहीं आते, बल्कि अपने सुख-दुख साझा करने, मन की शांति पाने और जीवन के संघर्षों में आशा का संबल प्राप्त करने आते हैं। यही कारण है कि जब किसी मंदिर में चोरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता। यह करोड़ों लोगों की आस्था, सामाजिक विश्वास और सांस्कृतिक चेतना पर सीधा आघात होता है। बीते कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से मंदिरों में दानपेटियां तोड़ने, नकदी चुराने, बहुमूल्य आभूषण गायब करने, प्राचीन मूर्तियों की तस्करी करने और धार्मिक सामग्री की चोरी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं।

कुछ अलग

विरासत के संरक्षक हैं सिनेमा संग्रहालय

इटली ने फिल्म फिल्म निर्माण की अनेक महत्वपूर्ण परंपरारानों को जन्म दिया है। इस समृद्ध विरासत को सुरक्षित सक्ने का कार्य देश के विभिन्न सिनेमा संग्रहालय कर रहे हैं, जो केवल पुरानी वस्तुओं का भंडार नहीं बल्कि चलचित्र संस्कृति के जीवंत केंद्र हैं ट्यूरिस स्थित राष्ट्रीय सिनेमा संग्रहालय इटली का सबसे प्रसिद्ध फिरण संग्रहालय माना जाता है। यह ऐतिहासिक मोल आंतोनेलियाना भवन में स्थित है और अपनी अनूठी वास्तुकला तथा विशाल संग्रह के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। संग्रहालय में मैजिक लालटेन, प्रारम्भिक ऑप्टिकल उपकरण, पुराने कैमरे, फिल्मी परिधान और ऐतिहासिक स्मृति-विह्न प्रदर्शित किए गए है। यहां प्रागंतुक फिल्म निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं और फिल्म विधाओं को इंटरैक्टिव रुप में समान सकते हैं। पादुभा का प्रौसिनेमा संग्रहालय दर्शाता है कि चलचित्र के आविष्कार से पहले लोग प्रकाश छाया और गतिशील चित्रों के माध्यम से मनोरंजन और कहानी कहने का प्रयास कैसे करते थे। इस प्रकार यह संग्रहालय आधुनिक सिनेमा की जड़ों को समडाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। रोम में स्थित सिनेचिता का सिनेमा संग्रहालय इटली के फिल्म उद्योग के स्वर्णिम इतिहास को संजोए हुए है। यहां फिल्म पोस्टर, कैमरे, प्रोजेक्टर, मंचीय वेशभूषाएं और प्रारम्भिक आविष्कारों से संबंधित दुर्लभ दस्तावेज सुरक्षित रखे गए है। वहीं मिलान कर सिनेमा संग्रहालय एनिमेशन, प्रीसिनेमा और फिल्म निर्माण में शहर की भूमिका को आधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत करता है। सिसिली क्षेत्र के करतानिया और मिराक्पून के सिनेमा संग्रहालय स्थानीय फिल्म इतिहास और क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हैं।

देश दुनिया से

लिपुलेख पर भारत की कूटनीतिक कामयाबी

झांग माओमिंग काठमांडू स्थित चीन के राजदूत हैं। 24 जून को काठमांडू पोस्ट में उनका एक लेख 'मोर प्रैक्टिकल कॉपरेशन' शीर्षक से छपा, जिसमें नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल की 14 से 17 जून की पेइचिंग यात्रा के हवाले से यह बताने की चेष्टा की गई, कि नेपाल को अब 'व्यावहारिक कूटनीति' पर ध्यान देना चाहिए। अब ये व्यावहारिक कूटनीति क्या बला है? नेपाल बफर स्टेट होने के नाते चाइना कार्ड आये दिन खेलता था, नई दिल्ली तक से सौदेबाज़ी हो जाती थी। अब चीन ने नेपाली नेतृत्व को ये समझा दिया, कि आप बदलिए और व्यावहारिक होइये। लिपुलेख मुद्दे पर चीन और भारत ने नेपाल को जिस तरह चुप करा दिया है, उस पर नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियां, राजावादी और नेपाली कांग्रेस के नेता तक हैरान हैं। चीनी राजदूत झांग माओमिंग बताते हैं, नेपाली विदेश मंत्री खनाल ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ चाइना सेंट्रल कमेटी के पॉलिटिकल ब्यूरो के सदस्यों और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से बातचीत की। नेपाली पक्ष ने फिर से कहा कि ताइवान का सवाल और शिज़ांग से जुड़े मुद्दे चीन के अंदरूनी मामले हैं। नेपाल पूरी तरह से वन-चाइना सिद्धांत का पालन करता है, किसी भी ताकत को नेपाली इलाके का इस्तेमाल चीन के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं करने देगा। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए, कि हाई-क्वालिटी 'बेल्ट एंड रोड सहयोग' को आगे बढ़ाएंगे। वहां चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई। पहला, क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसपोर्टेशन, बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर और हवाई संपर्कों के विकास में तेज़ी लाकर दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को दुरुस्त करना, जिससे नागरिक के आपसी संपर्क और अधोसंरचना में सुधार हो। दूसरा, बिजली, पावर ग्रिड और क्लीन एनर्जी में सहयोग बढ़ाकर सहयोग को गहरा करना, और तीसरा, उभयपक्षीय व्यापार संरचना को ऑप्टिमाइज़ करके निवेश को बढ़ाना। चीनी कंपनियों से दोस्ताना माहौल बनाना। चौथा, शिक्षा, युवा, लोकल गवर्नमेंट और मीडिया में सहयोग बढ़ाना है, ताकि दोनों देशों की जनता एक-दूसरे

को समझे। यह ग़ौर करने वाली बात है, कि नेपाली विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने एक बार भी लिपुलेख-लिम्पियाधुरा मार्ग से भारत-चीन व्यापार का मुद्दा नहीं उठाया। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवेंद्र लाल नेपाली बोलते हैं, 'यह सरकार डीप स्टेट वाले चला रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर कंप्रोमाइज़ करना शुरू कर दिया है। यह नेपाल के भविष्य के लिए ख़तरनाक़ है।' उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित लिपुलेख दर्रे से भारत-चीन सीमा व्यापार छह वर्ष बाद 26 जून 2026 से शुरू हो गया। उस दिन 26 भारतीय व्यापारियों का पहला दल तिब्बत क्षेत्र में प्रवेश किया। इस दल में 17 व्यापारी और 9 सहायक शामिल हैं। धारचूला के उप-जिलाधिकारी और व्यापार अधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि व्यापार को सुगम बनाने के लिए गुंजी में सीमा शुल्क कार्यालय खोला गया है। व्यापारियों ने अपना सामान पहले ही लिपुलेख दर्रे के निकट स्थित गोदामों में पहुंचा दिया है। प्रशासन को 103 से अधिक व्यापारियों के आवेदन प्राप्त हुए थे, और जल्द ही 25 व्यापारियों के दूसरे दल को भी व्यापार पास जारी किए जाएंगे। सामान ढुलाई के लिए नाभीढांग के पास खच्चरों और घोड़ों की व्यवस्था की गई है। छह वर्ष बाद इस मार्ग से व्यापार बहाल होने से सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। लिपुलेख से व्यापार मोदी कूटनीति की सफलता कही जाएगी। सत्तारूढ़, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने भी दिल्ली आने पर समझ चुके थे, कि लिपुलेख पर भारत से विवाद, उभयपक्षीय संबंधों को और बिगाड़ेगा, और इस मुद्दे पर चीन उनके साथ खड़ा नहीं है। लिपुलेख, रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण ट्राई-जंक्शन है जहां भारत, नेपाल, और चीन की सीमाएं मिलती हैं। यह क्षेत्र सदियों से कैलास मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है। 2020 में भारत द्वारा धारचुला (उत्तराखंड) से लिपुलेख तक एक सामरिक सड़क का उद्घाटन करने पर विवाद काफी बढ़ गया। नेपाल ने आरोप लगाया, कि भारत ने उसकी सहमति के बिना उसके इलाके में सड़क का निर्माण किया। इस सड़क निर्माण के विरोध में जून 2020 में नेपाल सरकार ने एक नया 'चूचे नक्शा' जारी किया था, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को आधिकारिक तौर पर नेपाली भूभाग के रूप में शामिल किया गया। भारत इन दावों को ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत, अनुचित और एकतरफा मानता है। भारत का हमेशा से यही रुख रहा है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा ऐतिहासिक, भौगोलिक और प्रशासनिक रूप से भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। इस मार्ग से व्यापार पेइचिंग ने स्वीकार किया है, जिससे साबित होता है कि लिपुलेख-लिम्पियाधुरा भारत का ही पार्ट है। इसे भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत माननी चाहिए। लेकिन, इस समय बालेन्द्र सरकार अंदरूनी अंतर्विरोधों से वाबस्ता है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रमुख नेताओं के बीच इस बात को लेकर नाराजगी है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह पार्टी के ढांचे के अनुसार काम करने के बजाय अपने पुराने करीबी सलाहकारों की कोटरी बनाकर शासन चला रहे हैं। हाल ही में बालेन शाह के संसद में दिए गए उस बयान से भारी बवाल मच गया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि नेपाल ने भी भारतीय क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है।

आप का नज़रिया

युद्ध की आहट

ईंरान के पूर्व नेता अयातुल्ला अली खामेनेईं के जनाजे के दौरान अपनी हत्या का पोस्टर लहराते देख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बौखला गए और उन्होंने शनिवार को अत्यन्त आव्रामक तेवर दिखाते हुए ईंरान को धमकी दे डाली कि उन्होंने एक हजार मिसाइलें ईंरान की तरफ तान कर रखी हैं। ट्रंप ने कहा कि जैसे ही ईंरान ने उनके खिलाफ कोईं कार्रवाईं की तो अमेरिका जबर्दस्त हमला करके ईंरान का नामोनिशान मिटा देगा। दरअसल शुव्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से घोषणा कर दी थी कि ईंरान के साथ बातचीत तो जारी रहेगी किन्तु शान्ति समझौते के मुताबिक युद्ध विराम टूट चुका है। इसके एक दिन बाद ही शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट लिखा कि ''1000 मिसाइलें पूरी तरह लाक और लोडेड हैं। अगर ईंरान बाज नहीं आता तो तुरन्त हजारों और मिसाइलें दाग देंगे।'' ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर यह भी लिखा कि ''आदेश पहले भी दिए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना एक साल के लिए ईंरान के सभी क्षेत्रों को पूरी तरह से तहस-नहस और तबाह करने के लिए तैयार और सक्षम है।'' सच तो यह है कि ट्रंप ईंरान की जनता, सरकार और सेना के खिलाफ इतने तमतमाए हैं जबकि युद्धविराम का उल्लंघन पहले अमेरिका ने ही किया। अमेरिका अपने इसी दोहरे चरित्र के लिए वुख्यात है कि वह पहले समझौते को तोड़ता है और बाद में शत्रु देश पर आरोप भी मढ़ता है। लगता है कि अब अमेरिका ने ईंरान के खिलाफ निर्णायक युद्ध का बहाना हासिल कर लिया है। अमेरिका को युद्ध लड़ने के लिए एक तार्किक और ठोस बहाने की जरूरत होती है। जार्ज बुश ने इसी तरह का बहाना खोजा था जब अमेरिकी जनता को बताया गया था कि सद्दाम हुसैन ने ईंराक की मस्जिदों के सामने जार्ज बुश सीनियर की फोटो लगा रखी थी जिसके ऊपर पैर रखकर नमाजी मस्जिद के अंदर दाखिल होते थे। उन अमेरिकी जनता को भी यह बात बहुत बुरी लगी जो ईंराक के खिलाफ किसी भी हमले के विरोध में थे। चतुर जार्ज बुश ने ईंराक के इस वृत्य को बुश परिवार के अपमान के साथ-साथ इसे राष्ट्रीय अपमान साबित किया और वुटिल वूटनीति के तहत ईंराक पर केमिकल बम रखने का आरोप लगाया। अपने अपमान की दुहाईं देकर अपने देश की जनता में ऐसी भावना पैदा कर दी कि सद्दाम हुसैन उनके राष्ट्रपति को अपमानित करते हैं, जबकि नाटो देशों को सहमत किया कि ईंराक केमिकल बमों से अपने विरोधियों पर हमले करता है। जार्ज बुश अपनी रणनीति में सफल रहे। ठीक उसी तरह शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अपनी हत्या वाले पोस्टर पर अमेरिकी जनता में माहौल निर्मित करने की रणनीति अपनाईं है। वह इस बात की भी कोशिश करेंगे ताकि इसे मुद्दे को राष्ट्रीय स्वाभिमान से भी जोड़ा जा सके। इसके बाद जो अमेरिकी जनता या राजनेता ट्रंप की हमलावर नीति की सार्वजनिक रूप से आलोचना करते थे, उनको भी ईंरान के प्रति नरमी बरतने में असहजता महसूस होगी। असल में अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद ईंरान में विरोध प्रदर्शन और खामेनेईं व मुल्लावाद के खिलाफ चल रहे आंदोलन को भूल कर लोग ईंरान के प्रति अपने राष्ट्रवाद का प्रदर्शन करने लगे क्योंकि उन्हें लगा कि जब ईंरान ही नहीं रहेगा तो वह विरोध किसका करेंगे। ठीक उसी तरह यदि ट्रंप जनभावनाओं को यह समझाने में सफल हो गए कि अब ईंरान को सबक सिखाने के लिए अमेरिका को कड़ी कार्रवाईं करनी होगी अन्यथा अमेरिका की कोईं भी परवाह नहीं करेगा। ट्रंप की इसी राजनीति का रिपब्लिकन पाटी को भी लाभ मिल सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बौखला गए और उन्होंने शनिवार को अत्यन्त आव्रामक तेवर दिखाते हुए ईंरान को धमकी दे डाली कि उन्होंने एक हजार मिसाइलें ईंरान की तरफ तान कर रखी हैं। ट्रंप ने कहा कि जैसे ही ईंरान ने उनके खिलाफ कोईं कार्रवाईं की तो अमेरिका जबर्दस्त हमला करके ईंरान का नामोनिशान मिटा देगा। दरअसल शुव्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से घोषणा कर दी थी कि ईंरान के साथ बातचीत तो जारी रहेगी किन्तु शान्ति समझौते के मुताबिक युद्ध विराम टूट चुका है। इसके एक दिन बाद ही शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट लिखा कि ''1000 मिसाइलें पूरी तरह लाक और लोडेड हैं। अगर ईंरान बाज नहीं आता तो तुरन्त हजारों और मिसाइलें दाग देंगे।'' ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर यह भी लिखा कि ''आदेश पहले भी दिए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना एक साल के लिए ईंरान के सभी क्षेत्रों को पूरी तरह से तहस-नहस और तबाह करने के लिए तैयार और सक्षम है।'' सच तो यह है कि ट्रंप ईंरान की जनता, सरकार और सेना के खिलाफ इतने तमतमाए हैं जबकि युद्धविराम का उल्लंघन पहले अमेरिका ने ही किया। अमेरिका अपने इसी दोहरे चरित्र के लिए वुख्यात है कि वह पहले समझौते को तोड़ता है और बाद में शत्रु देश पर आरोप भी मढ़ता है।

दृष्टि कोण

विशेषज्ञों का अध्ययन दूर करेगा इथेनॉल के भ्रम

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को तेज़ी से बढ़ावा देने की सरकारी नीति हाल के हफ़्तों में लोगों की कड़ी आलोचना का निशाना है, हालांकि, यह नीति 2022 से लागू है। 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का मूल लक्ष्य 2030 तक हासिल करना था, लेकिन समयपूर्व 2025 कर दिया गया। इस नीति के फ़ायदों के बारे में कई दावे किए जा रहे हैं—ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत से लेकर किसानों के कल्याण तक। फिर भी, वाहन मालिक इंजन खराब होने और माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं। अपने बचाव में, सरकार का कहना है कि यह नीति सबूतों पर आधारित है और डेटा समर्थित है, जिसमें अधिकांशतः पेट्रोलियम संगठनों के बेनामी और अप्रकाशित अध्ययनों का हवाला दिया गया है। वाहनों पर इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के असर के दावों को साबित करने के लिए कोई स्वतंत्र अथवा विशेषज्ञों द्वारा जांचा-परखा अध्ययन मौजूद नहीं है। अगर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाली कारों की फ़्यूल एफ़िशिएंसी (ईंधन दक्षता) कम है—जैसा कि अब कार निर्माता भी मान रहे हैं—और इंजन खराब हो रहे हैं—जैसा कि वाहन मालिक शिकायत कर रहे हैं—तो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। इसके अलावा, कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा, क्योंकि किसान खाद्य फ़सलों के बजाय ज़्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल की बढ़ती मांग के मद्देनजर निर्माता कंपनियां मक्का और चावल का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर कर रही हैं। सरकार को नीति के लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट होना जरूरी है और इसके फ़ायदों के बारे में ठोस सबूत पेश करने चाहिए, न कि आलोचकों पर गलत इरादे का आरोप मढ़ देना या इसके नकारात्मक प्रभावों को लेकर लोगों के गुस्से को नज़रअंदाज़ करना। लोग अक्सर ब्राज़ील का उदाहरण देते हैं, जहां 1980 के दशक में इथेनॉल मिश्रण शुरू किया गया था। इसके दीर्घकालीन असर अब जाकर सामने आ रहे हैं। यह नीति 1970 के दशक में चीनी के

फालतू उत्पादन का सीधा नतीजा थी और इसे चीनी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया था। पिछले चार दशकों में, इसने वहां ज़मीन के इस्तेमाल में भारी बदलाव किया है, नतीजतन, ईंधन फ़सलों के लिए जगह बनाने के वास्ते अमेज़न के जंगलों की कटाई के कारण भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ है। वैसे भी, बड़े पैमाने पर ऊर्जा फ़सलों की खेती के लिए भारत की जलवायु और मिट्टी की स्थिति ब्राज़ील जैसी नहीं है। किसी भी नई तकनीक की तरह, ग्रीन तकनीक को भी— चाहे वह इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल हो या इलेक्ट्रिक गाड़ियां—व्यापक पैमाने पर लागू करने पर अनचाहे बुरे असर हो सकते हैं। जैसे किसी नई वैक्सीन या दवा को लाने से पहले क्लिनिकल ट्रायल किए जाते हैं, वैसे ही सभी नई तकनीकों को अलग-अलग स्थितियों में कुछ समय तक फील्ड-टेस्ट किया जाना चाहिए, और उससे मिले डेटा का विश्लेषण करवाने को स्वतंत्र विशेषज्ञों को दिया जाए। परिवहन अर्थव्यवस्था का एक अहम अंग है, और किसी भी नई तकनीक को लागू करने से पहले उसकी कई पहलुओं से जांच होनी चाहिए और सिर्फ़ वाहन निर्माता ही नहीं, बल्कि सभी हितधारकों के साथ उस पर चर्चा होनी चाहिए। यह काफी चौंकाने वाली बात है कि सरकार ने अपने बचाव में वाहन निर्माता कंपनियों को उन शिकायतों का जवाब देने के लिए बुलाया—जो वाहन का उपयोग करने वाले कह रहे हैं—जैसे कि माइलेज में कमी और गाड़ियों के धातु एवं रबर पुर्जों का खराब होना। दुनिया भर में वाहन निर्माता डेटा में हेरफेर करने के लिए कुख्यात हैं।

14 जुलाई से शुरु होगी भारत और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज, रोहित और विराट खेलते दिखेंगे

लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हार के बाद अब 14 जुलाई से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए उतरेगी। एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे।

इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा भी खेलते हुए दिखेंगे। श्रेयस अय्यर की कप्तान में भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब शुभमन का लक्ष्य एकदिवसीय सीरीज में इंग्लैंड को हराकर भारतीय टीम पर उठ रहे सवालों के जबाव देना रहेगा।

भारतीय टीम की नजरें एकदिवसीय सीरीज में बड़ी जीत दर्ज करना रहेगगा। तीन मैचों की ये सीरीज 14 जुलाई से शुरु होगी। इसको लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इस सीरीज में दिग्गज बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली का लक्ष्य बेतर प्रदर्शन करना रहेगा।

एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ-साथ जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, कुलदीप यादव जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी अभ्यास सत्रों में हिस्सा ले रहे हैं।

टीम के खिलाड़ी पहले एकदिवसीय के लिए बर्मिंघम पहुंच चुके हैं और 11 जुलाई को उन्होंने जमकर अभ्यास भी किया। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई 2026 को एजबेस्टन, बर्मिंघम में भारतीय समय अनुसार शाम 3:30 बजे से खेला जाएगा।

वहीं दूसरा एकदिवसीय मैच 16 जुलाई 2026 को सोफिया गार्डन्स, कार्डिफ में शाम 5:30 बजे (डे-नाइट) शुरू होगा। दौरे और सीरीज का तीसरा मैच लार्ड्स में 19 जुलाई 2026 को दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के चौथे क्वार्टर फाइनल में रविवार को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब 16 जुलाई को दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का सामना इंग्लैंड से होगा। पहला सेमीफाइनल 15 जुलाई को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा। कैनसस सिटी (अमेरिका) के कैनसस सिटी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले का फैसला निर्धारित 90 मिनट में नहीं हो सका, क्योंकि दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना ने दो गोल दागकर शानदार जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा। जूलियन अल्वारेज के 112वें मिनट में शानदार गोल से अर्जेंटीना 2-1 से आगे हो गई। इसके बाद स्विट्जरलैंड ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना के लौटारो मार्टिनेज ने (120+1वें मिनट में) गोल दागकर 3-1 से जीत पर मुहर लगा दी। अर्जेंटीना के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही। 10वें मिनट में कप्तान लियोनेल मेसी की कार्नर किक पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और हाफटाइम तक यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड ने शानदार वापसी की। खेल के 67वें मिनट में डैन एनडोए ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

नार्वे को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप-2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने जूड बेलिंगहैम के बेहतरीन दो गोलों की बदौलत फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फ्लोरिडा के मियामी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने नार्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। मैच का फैसला निर्धारित 90 मिनट में नहीं हो सका। रेगुलर टाइम समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में बेलिंगहैम ने विजयी गोल दागकर इंग्लैंड को यादगार जीत दिलाई। नार्वे ने मैच का पहला गोल 36वें मिनट में किया। एंड्रियास श्जेल्डरुप ने गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इंग्लैंड ने ज्यादा देर इंतजार नहीं किया और कुछ मिनट बाद जूड बेलिंगहैम ने बराबरी का गोल दाग दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। नतीजतन मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया। एक्स्ट्रा टाइम की शुरुआत में ही जूड बेलिंगहैम ने 93वें मिनट में अपना दूसरा और मैच का निर्णायक गोल दागा।

अभिषेक ने बनाया अनूठा रिकार्ड, किसी अन्य प्रारुप में खेले बिना सबसे अधिक टी20 का बनाया रिकार्ड

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टी20 क्रिकेट मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने उतरते ही एक ऐसा अनोखा रिकार्ड बनाया है। जिससे उनका नाम क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया है। अभिषेक टी20 क्रिकेट में बिना किसी अन्य प्रारूप (जैसे एकदिवसीय या टेस्ट) में डेब्यू किए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गये हैं। हासिल किया। यह अभिषेक के करियर का 53वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच था। इससे पहले यह रिकार्ड वेस्टइंडीज के सैमुअल बद्री के नाम था, जिन्होंने किसी और प्रारुप में खेले बिना 52 टी20 मुकाबले खेले थे। अभिषेक ने अभी तक भारत के लिए एकदिवसीय या टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। हालांकि, टी20 फार्मेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। 53 मैचों में उन्होंने 32.36 की औसत और 190.36 के तूफानी स्ट्राइक रेट से कुल 1618 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं।

कार्टी और होप के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली

जमैका

वेस्टइंडीज ने पांच एकदिवसीय मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते 267 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 268 रनों के लक्ष्य को लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने केसी कार्टी और कप्तान शाई होप के तेजी से बनाये अर्धशतकों की सहायता से 48.5 ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर मुकाबला जीत लिया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर , कार्टी और होप ने बीच के ओवरों में तेजी से खेलते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के गेंदबाजों के सभी प्रयास विफल कर दिये। केसी कार्टी ने 112 गेंदों पर 10 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 95 रन बनाए जबकि होप ने 92 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 87 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। अकीम आगस्ट ने 38, शेरफेन रदरफोर्ड ने 22 और जान कैंपबेल ने 11 रन बनाये।

वहीं इससे पहले मेजबान टीम ने टास जीतकर कीवियों को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 49.5 ओवर में 267 रन ही बना पायी। न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल ने 73 गेंदों में 65 रन जबकि विल यंग ने 49 रन बनाये। वह पूरे समय मेजबान गेंदबाजों के सामने दबाव में रही। अल्जारी जोसेफ ने चार विकेट लिए जबकि विटेल लाज ने तीन विकेट लिए। वहीं गुडाकेस मोती को दो और खारी पियरे को केवल एक विकेट मिला। मैच में कीवी गेंदबाजी लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे।जेडेन लेनाक्स, जैकब डफी और माइकल ब्रेसवेल एक-एक विकेट ही ले पाये।

लाइव मैच के दौरान अंपायर ने काटे सुनील गावस्कर के बाल, क्रिकेट इतिहास का अनोखा किस्सा

नई दिल्ली। क्रिकेट के इतिहास में कई ऐसे रोचक किस्से दर्ज हैं, जिन्हें भी खिलाड़ी और प्रशंसक बड़े चाव से याद करते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प वाकया भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर से जुड़ा है। अपनी शानदार तकनीक, धैर्य और एकाग्रता के लिए प्रसिद्ध गावस्कर के साथ एक टेस्ट मैच के दौरान ऐसी स्थिति बन गई कि उन्हें बीच मैदान पर अंपायर से अपने बाल कटवाने पड़े। यह घटना क्रिकेट इतिहास की सबसे अनोखी और यादगार घटनाओं में गिनी जाती है। यह किस्सा वर्ष 1974 में भारत के इंग्लैंड दौरे का है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच खेला जा रहा था। उस समय सुनील गावस्कर अपेक्षाकृत लंबे बाल रखते थे। मैच के दौरान तेज हवा चल रही थी, जिसके कारण उनके सामने के बाल बार-बार आंखों पर आ रहे थे। बल्लेबाजी करते समय इससे उन्हें गेंद को ठीक से देखने और उसकी दिशा का अनुमान लगाने में परेशानी हो रही थी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों का सामना करते हुए एक छोटी सी चूक भी विकेट गंवाने का कारण बन सकती थी। स्थिति को देखते हुए गावस्कर ने मैदान पर मौजूद अंपायर डिकी बर्ड से मदद मांगी। उन्होंने बताया कि बाल उनकी बल्लेबाजी में बाधा बन रहे हैं और यदि इन्हें थोड़ा छोटा कर दिया जाए तो उन्हें राहत मिलेगी। शुरुआत में यह अनुरोध सुनकर डिकी बर्ड भी हैरान रह गए, लेकिन संयोग से उनके पास एक छोटी कैंची मौजूद थी, जिसका उपयोग वे सामान्यतः गेंद की सीम या निकले हुए धागे को काटने के लिए करते थे। उन्होंने उसी कैंची से मैदान पर ही गावस्कर के सामने के बाल हल्के-से ट्रिम कर दिए। अंपायर द्वारा लाइव मैच के दौरान खिलाड़ी के बाल काटने का यह दृश्य खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए बेहद मनोरंजक बन गया। मैदान पर मौजूद सभी लोग मुस्कुराने लगे और माहौल हल्का हो गया। बाल कटने के बाद गावस्कर ने राहत महसूस की और बिना किसी परेशानी के अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। यह घटना भी क्रिकेट के सबसे रोचक प्रसंगों में शामिल मानी जाती है। सुनील गावस्कर का क्रिकेट करियर भी उतना ही शानदार रहा।

आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल होने पर गांगुली, अंजुम और पीटरसन को जय शाह ने दी बधाई

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा के साथ-साथ इंग्लैंड टीम के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन को प्रतिष्ठित आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल किए जाने पर बधाई दी। जय शाह ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मुझे आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल होने वाले नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह उन असाधारण खिलाड़ियों के लिए सम्मान है जिनकी उपलब्धियों ने हमारे खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है। सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन, सभी ने गर्व के साथ अपनी-अपनी राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी की। मैं आईसीसी की ओर से तीनों को इस सम्मान के लिए बधाई देता हूं।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने तीनों खिलाड़ियों को हाल आफ फेम में शामिल करने की घोषणा की है। तीनों दिग्गजों ने विभिन्न प्रारूपों में क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान दिया है। सौरव गांगुली आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल होने वाले 10वें पुरुष भारतीय क्रिकेटर बने हैं, जबकि अंजुम चोपड़ा यह सम्मान हासिल करने वाली तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। सौरव गांगुली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 424 मैच खेले, जिनमें 18,575 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 38 शतक और 107 अर्धशतक लगाए। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 113 मैचों में 7,212 रन, जबकि 311 वनडे मैचों में 11,363 रन दर्ज हैं। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने देश में महिला क्रिकेट के विकास में अहम योगदान दिया। उन्होंने अपने 17 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान 3,500 से अधिक रन बनाए और 100 वनडे मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बनीं।

वैभव के लिए अच्छा नहीं रहा इंग्लैंड दौरा

लंदन। 15 साल के उभरते हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए इंग्लैंड दौरा अच्छा नहीं रहा। इसमें वैभव एक भी मैच में अधिक रन नहीं बना पाये। वह दूसरे मैच में 14 ,तीसरे में 13 और चौथे में 15 रन ही बना पाये। इससे उन्हें पांचवे और अंतिम टी20 के लिए शामिल नहीं किया गया। वैभव को जब पांचवें टी20 मुकाबले में जगह नहीं मिली तो वह निराशा नजर आये। वहीं मैच में भारतीय टीम की हार के बाद वह अपने को रोक नहीं पाये और रोने लगे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इंग्लैंड दौरा भारतीय टीम के लिए बेहद खरा रहा। टीम को पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, वहीं एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। इस मैच में मेजबान टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने 131 रनों की आक्रामाक पारी खेली। वहीं, कप्तान हैरी ब्रूक ने केवल 45 गेंदों में नाबाद 95 रन बनाकर इंग्लैंड को 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 257 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। इस पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर केवल 201 रन ही बना सकी और 56 रनों से मुकाबला हार गयी। इस सीरीज के दूसरे मैच से वैभव ने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

इंग्लैंड वनडे और जिम्बाब्वे टी-20 सीरीज से बाहर हुए हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में बदलाव किया है। गेंदबाजी आलराउंडर हर्षित राणा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोट के चलते सीरीज से बाहर हो चुके हैं। बीसीसीआई ने इन दोनों खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का ऐलान भी कर दिया है। बीसीसीआई ने रविवार को बताया कि ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान हर्षित राणा को दाहिनी हैमस्ट्रिंग में अचानक तकलीफ महसूस हुई। बाद में हुए स्कैन से पता चला कि उन्हें ग्रेड 1 हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है और वे आगे की जांच और इलाज के लिए बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे।

चक्रवर्ती को भी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में अचानक तकलीफ महसूस हुई। बाद में एमआरआई स्कैन से पता चला कि उन्हें ग्रेड 2 हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। मेडिकल विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर, उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। वे आगे के इलाज के लिए बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे।

बीसीसीआई ने दोनों चोटिल खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का ऐलान करते हुए बताया कि पुरुष चयन समिति ने वनडे और टी-20 टीमों में हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की जगह क्रमशः प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को शामिल किया है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 4-0 से हारने के बाद भारतीय टीम 14 जुलाई से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। इसके बाद टीम जिम्बाब्वे जाएगी, जहां तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मैच 23 जुलाई को हरारे में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे के लिए अपडेटेड भारतीय टीमशुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, प्रिंस यादव। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए अपडेटेड भारतीय टीमश्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

हीथर नाइट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया, भारत के खिलाफ टेस्ट होगा आखिरी मैच

नई दिल्ली

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि भारत के खिलाफ लार्ड्स में चल रहा टेस्ट मैच उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा।

हीथर नाइट इस समय भारतीय महिला टीम के खिलाफ लार्ड्स में टेस्ट मैच खेल रही हैं और इसी मैच के बीच उन्होंने ये ऐलान किया है। हीथर की घोषणा के साथ ही उनके 16 साल के लंबे करियर का अंत होगा। नाइट ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। अपने करियर में उन्होंने कुल 320 अंतरराष्ट्रीय मैच (भारत के खिलाफ खेला जा रहा टेस्ट मैच भी शामिल) खेले, जिनमें 160 एकदीवसीय, 145 टी-20 अंतरराष्ट्रीय और भारत के खिलाफ चल रहे टेस्ट को मिलाकर 15 टेस्ट मुकाबले शामिल हैं।

इस टेस्ट से पहले नाइट ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 7,988 रन बनाए और छह शतक लगाए। हीथर नाइट ने 2016 से 2025 तक इंग्लैंड महिला टीम की कप्तानी भी की। इस दौरान उन्होंने 199 मैचों में टीम का नेतृत्व किया, जिनमें इंग्लैंड ने 134 मुकाबलों जीत दर्ज की। उनकी कप्तानी में टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल कीं, लेकिन सबसे यादगार उपलब्धि 2017 में आई, जब इंग्लैंड ने लार्डर्स के मैदान पर आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीता।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक बयान में हीथर नाइट ने कहा कि इंग्लैंड की क्रिकेटर के रूप में मैंने जो सफर तय किया है, उसके लिए मैं बेहद आभारी और सौभाग्यशाली हूं। इस सफर से विदा लेना मुश्किल है, क्योंकि ड्रेसिंग रूम और वहां के लोग 16 साल से मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। मैं इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हूं और आगे के

लिए बेहद उत्साहित हूं।

नाइट ने आगे कहा कि मुझे कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ खेलने का सौभाग्य मिला है, जिन्होंने मुझे बहुत कुछ सिखाया, प्रेरित किया और मेरे पूरे करियर में मेरा साथ दिया। मैं अपने साथियों, कोचों और सहायक कर्मचारियों को दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं विशेष रूप से चिकित्सा कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि मेरा शरीर 300 से अधिक क्रिकेट मैचों को कैसे झेल पाया है। उन्हें मेरी बहुत देखभाल और मेहनत करनी पड़ रही है और मैं उनकी आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि मैं अपने परिवार और दोस्तों को भी विशेष धन्यवाद देना चाहती हूं, जो हर सुख-दुख में मेरे साथ खड़े रहे हैं। दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि एक छोटी लड़की के रूप में लड़कों के साथ खेलते हुए मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे यह अनुभव करने का मौका मिलेगा। लार्ड्स में इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच के साथ खेल को अलविदा कहना सही लगता है। ये 16 साल बेहद शानदार रहे हैं और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं।

इंग्लैंड महिला टीम की प्रबंध निदेशक क्लेयर कानर ने कहा कि हीथर के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था। खासकर लार्ड्स में इस ऐतिहासिक अवसर के दौरान, जहां उन्होंने नौ साल पहले इंग्लैंड को विश्व कप में उल्लेखनीय जीत दिलाई थी।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड महिला क्रिकेट में हीथर का योगदान असाधारण रहा है। अपने पूरे करियर के दौरान उन्होंने ईमानदारी और दृढ़ता के साथ टीम का नेतृत्व किया है। हीथर ने युवा क्रिकेटरों की एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को एक मजबूत स्थिति में छोड़कर जा रही हैं। ईसीबी में सभी की ओर से मैं इंग्लैंड महिला क्रिकेट में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं।

हीथर नाइट से पहले टैमी ब्यूमोंट भी ऐलान कर चुकी हैं कि लार्ड्स टेस्ट उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला होगा।

हार्ट ऑफ ए जैन इंटरनेशनल कॉन्क्लेव में संस्कार एकेडमी का प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण

जैन संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल को मिली व्यापक सराहना

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद-बैंगलोर मार्ग स्थित नंदिगाम के कान्हा शांति वनम में आयोजित दो दिवसीय ङ्घहार्ट ऑफ ए जैन इंटरनेशनल कॉन्क्लेवङ्ग में श्री जैन संस्कार वाटिका द्वारा निर्माणाधीन ङ्घसंस्कार एकेडमीङ्ग का प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण किया गया। एकेडमी की परिकल्पना एवं उद्देश्यों का विस्तृत परिचय श्री प्रवीण जैन ने उपस्थित गणमान्यजनों के समक्ष प्रस्तुत किया। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में संस्कार एकेडमी के वर्धमान चौहान ने बताया कि इस अवसर पर श्री जैन संस्कार वाटिका एवं संस्कार एकेडमी के संस्थापक श्री मुकेश जैन चौहान, वाइस चेयरमैन श्री प्रवीण जैन बंदामुथा तथा सदस्य श्री हितेश वाणीगोता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कॉन्क्लेव में डॉ. कमलेश पटेल ङ्घदाजीङ्ग, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री श्री चैतन्य कश्यप, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी, डॉ. साईराम रेड्डी, श्री कुमारपाल देसाई, प्रो. जितेंद्र बी. शाह, जीतो हैदराबाद के पूर्व चेयरमैन श्री कुशल कांकरिया, श्री जसराज श्रीश्रीमाल, श्री निर्मल सिंघवी, श्री रमेश वेदमुथा, श्रीमती शर्मीला ओसवाल, डॉ. दिलीप धिंग, श्री विशाल भंडारी, श्रीमती डिम्पल मेहता, श्री शांतिलाल सालेचा, श्री विक्रम श्रीश्रीमाल, श्री प्रकाशमल भंडारी, श्री पुनम नाहटा, श्री विजय ओस्तवाल, श्रीमती सरिता नाहर, श्री रितेश भंसाली तथा श्री रमणलाल बरलोटा जैन सहित देशभर से आए अनेक गणमान्यजन एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्यजन एवं श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता की। उपस्थित अतिथियों ने ङ्घसंस्कार एकेडमीङ्ग के प्रस्तुतिकरण की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे नई पीढ़ी तक जैन संस्कार, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के प्रभावी संवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी पहल बताया। उपस्थित सभी लोगों ने इस अभिनव प्रयास की सफलता के लिए शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं।

तेलंगाना की सबसे बड़ी मेंटल मैथ चैंपियनशिप आयोजित

3,200 से अधिक बच्चों ने दिखाया दिमाग का जादू

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
दिमागी कौशल विकास के क्षेत्र में भारत की अग्रणी संस्था और छह बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुकी एसआईपी एबकस डरा रविवार को शमशाबाद के क्लासिक कन्वेंशन थ्री में 22वीं तेलंगाना रीजनल प्रॉडिगी चैंपियनशिप 2026 का भव्य आयोजन किया गया। राज्य की इस सबसे बड़ी मेंटल मैथ प्रतियोगिता में 5 से 14 वर्ष की आयु के रिकॉर्ड 3,200 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया।

इस भव्य प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि आरका ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल पन्नूरू प्रभाकर और एसआईपी एकेडमी इंडिया के संस्थापक व प्रबंध निदेशक दिनेश विक्टर ने किया।

एआई के युग में एबकस की अहमियत

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पन्नूरू प्रभाकर ने संस्कृत श्लोक का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह मयूर के सिर पर शिखा और नाग के सिर पर मणि का स्थान सबसे ऊंचा होता है, वैसे ही सभी विज्ञानों में गणित का स्थान सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि आज के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में भी गणित का महत्व कम नहीं हुआ है।

वहीं, दिनेश विक्टर ने एआई के युग में एबकस प्रशिक्षण पर बात करते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण बिंदु रखा। उन्होंने कहा लोगों को लगता है कि एआई के आने के बाद मेंटल मैथ की जरूरत नहीं है, जबकि हकीकत इसके उलट है। एआई सिर्फ उत्तर दे सकता है, लेकिन एबकस उस दिमाग को विकसित करता है जो सही सवाल पूछ सके। एआई सिर्फ जानकारी देता है, जबकि एबकस दिमागी ताकत (ब्रेन पावर) बढ़ाता है।उन्होंने आगे कहा कि एआई एक तेज रफ्तार गाड़ी की तरह है, और एबकस बच्चे को एक बेहतरीन ड्राइवर बनाता है। यह बच्चों में एकाग्रता, याददाश्त, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी को मजबूत करता है, जिसे कोई तकनीक रिप्लेस नहीं कर सकती।

तेज संगीत के बीच बच्चों ने हल किए गणित के सवाल

इस चैंपियनशिप का सबसे मुख्य आकर्षण इसका कंसंट्रेशन राउंड (एकाग्रता दौर) रहा। जहां आमतौर पर गणित की परीक्षाओं में तनाव और सन्नाटा होता है, वहीं इस राउंड में हॉल में बेहद तेज म्यूजिक बजाया गया। बच्चे गाने गाते, झूमते और नाचते हुए भी बिना विचलित हुए गणित के बेहद कठिन और जटिल सवालों को बिल्कुल सटीक हल करते रहे। इस अनोखे राउंड का उद्देश्य आज के डिजिटल युग में बच्चों की ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और विचलित न होने के कौशल को परखना था।

अग्रसेन बायोडाटा समिति की वैवाहिक परिचय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रसेन बायोडाटा समिति की वैवाहिक परिचय बैठक का आयोजन सिकंदराबाद के पान बाजार स्थित समिति कार्यालय में आयोजित किया गया। बैठक में विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उपस्थित अभिभावकों को उपयुक्त वैवाहिक संबंधों के चयन एवं प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक में समिति के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल, संतोष देवी बंसल, सत्यनारायण मोदी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, रवि अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, केशव संघी, अमिताभ अग्रवाल, दिलीप, सुनील अग्रवाल, विजय सुरेखा, संतोष तिबड़ेवाल, सुशील अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, अमित अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंघल एवं विकास अग्रवाल सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली जिला केंद्र के स्थानीय जांडा स्क्वायर में टी.एस.टी.एस. के पूर्व अध्यक्ष चिरुमिला राकेश क का जन्मदिन समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया गया। बी.आर.एस. पार्टी के युवा नेता उप्पू शिवकुमार और बोइनि मनोज ने तेलंगाना राज्य के पहले प्रौद्योगिकी सेवा निगम के अध्यक्ष डॉ. चिरुमिला राकेश कुमार, पेद्दापल्ली मुद्दुबिड्डा के जन्मदिन समारोह का नेतृत्व किया।इस कार्यक्रम में बी.आर.एस. टाउन अध्यक्ष उप्पू राज कुमार और युवा नेता उप्पू शिव कुमार ने कहा, राकेश, आप कई और जन्मदिन मनाएं, दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं, और ईश्वर तथाके.सी.आर., के.टी.आर. और हरिश राव के आशीर्वाद से आप जीवन में कई और उच्च पदों पर आसीन हों

बेगम बाजार में निरंतर मानव सेवा का संकल्प निभा रहा है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक एवं निराश्रित जनों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद विगत लंबे समय से निस्वार्थ भाव से नियमित अन्नदान एवं मानव सेवा के कार्यों के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और करुणा का संदेश दे रहा है। ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में सम्मान, अपनापन और आशा का संचार करना भी है। यही कारण है कि ग्रुप की सेवा गतिविधियां आज अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करने का संकल्प ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। सेवा का प्रत्येक छोटा प्रयास भी ईश्वर की सच्ची आराधना है और यही भावना राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के प्रत्येक सेवा अभियान की आधारशिला है।

अन्नदान कार्यक्रम में शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता ने सक्रिय सहभागिता निभाई और सेवा कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर मानव सेवा के कार्यों को और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

द सिग्नेचर सिल्क्सं ने प्री-लॉन्च इवेंट में बिखेरा जलवा

कूकटपल्ली में भव्य उद्घाटन 15 को

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
फैशन प्रेमियों और परिधानों के शौकीनों के लिए एक शानदार खबर है। शहर में प्रीमियम डिजाइनर परिधानों के सबसे बड़े और नए केंद्र द सिग्नेचर सिल्क्सं का आगाज हो चुका है। रविवार को कूकटपल्ली में आयोजित एक भव्य प्री-लॉन्च फैशन शो के साथ इस ब्रांड की पहली झलक पेश की गई।

द सिग्नेचर सिल्क्सं का यह नया शोरूम डिजाइनर साड़ियों, वेडिंग साड़ियों, पट्टू साड़ियों, लहंगे, घाघरा और अन्य प्रीमियम एथनिक वियर का एक बेहद अनूठा और विशिष्ट कलेक्शन पेश करने के लिए तैयार है।

रविवार को आयोजित इस शानदार प्री-लॉन्च फैशन शो में ग्लैमर जगत की मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। लोकप्रिय अभिनेत्री श्रवंती चोकरपु और अभिनेत्री आद्या रेड्डी ने कार्यक्रम में पहुंचकर चार चांद लगा दिए।

रैंप पर जब मॉडल द सिग्नेचर सिल्क्सं के अनूठे परिधानों में उतरीं, तो वहां मौजूद सैकड़ों फैशन प्रेमी मंत्रमुग्ध हो गए।

द सिग्नेचर सिल्क्सं के प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र सिंह गहलोत ने इस मौके पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोरूम हैदराबाद के फैशन परिदृश्य में एक नया मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने घोषणा की कि 15 जुलाई, 2026 को कूकटपल्ली में इस विशाल और भव्य डिजाइनर शोरूम का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया जाएगा।

इस भव्य प्री-लॉन्च इवेंट के दौरान प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र सिंह गहलोत के साथ अभिनेत्री श्रवंती चोकरपु, अभिनेत्री आद्या रेड्डी, कई नामी मॉडल्स और शहर के जाने-माने फैशन प्रेमी एक साथ मंच पर नजर आए और सभी ने इस नए वेंचर को अपनी शुभकामनाएं दीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

होर्मुज...

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान तनातनी के बीच अमेरिका ने बड़ा दावा किया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग सभी वैध जहाजों के लिए खुला है और समुद्री आवाजाही जारी है।

यूएस सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, होर्मुज स्ट्रेट उन सभी जहाजों के लिए खुला है जो अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग से कानूनी तरीके से होकर गुजरना चाहते हैं। अमेरिका की सेना वहां तैनात है और पूरी तरह तैयार हैं, ताकि ईरान की बेवजह की आक्रामकता, परेशान करने वाली कार्रवाइयों, धमकियों और मनमानी घोषणाओं के बावजूद समुद्री रास्ते से आने-जाने की आजादी बनी रहे। हॉर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का नियंत्रण नहीं है। इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही सामान्य रूप से जारी है।

अमेरिका और ईरान दोनों ही होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अपना-अपना दावा कर रहे हैं। एक तरफ अमेरिका इस मार्ग को पूरी तरह सुरक्षित और अपने नियंत्रण में बता रहा है तो दूसरी तरफ ईरान लगातार जहाजों को यहां से न गुजरने की चेतावनी दे रहा है। ईरान की ओर से फिलहाल के लिए इस मार्ग के बंद होने के दावा किया जा रहा है।

आईआरजीसी की नौसेना ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में विदेशी ताकतों के गैरकानूनी हस्तक्षेप की वजह से पैदा हुई असुरक्षा के चलते यह जलमार्ग अगली सूचना तक बंद रहेगा।

उसका यह भी कहना है कि जब तक अमेरिका इस क्षेत्र में अपना हस्तक्षेप बंद नहीं करता, तब तक किसी भी जहाज को यहां से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार को कहा कि उसने अमेरिका के ईरान के दक्षिणी इलाकों पर हुए हमलों के जवाब में जॉर्डन, कतर और ओमान में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक समाचार मंच सेपा न्यूज पर जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी तटीय इलाकों में कई सैन्य ठिकानों और संचार टावरों पर हवाई हमले किए।

आईआरजीसी के मुताबिक, जवाबी कार्रवाई के पहले चरण में उसकी सेना ने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयर बेस पर मौजूद अमेरिका के ममहत्वपूर्णफ सैन्य ढांचे और सुविधाओं पर हमला किया।

उसका दावा है कि इस हमले में बेस का कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का हैंगर नष्ट कर दिया गया।

जीएफएस गैलेक्सी शिप पर अटैक: 10 भारतीय सुरक्षित, 1 लापता

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध ने अब पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत की भी चिंता बढ़ा दी है। इस महायुद्ध का सीधा असर अब भारतीयों पर भी देखने को मिल रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान के हमले का शिकार बने साइप्रस देश के झंडे वाले व्यापारिक कंटेनर जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर भारतीय चालक दल भी सवार था। भारत सरकार ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताया है और पुष्टि की है कि जहाज पर मौजूद भारत के 10 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक अब भी लापता है।

विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, सरकार इस पूरे मामले पर लगातार अपनी नजर बनाए हुए है और इससे जुड़े देशों के साथ लगातार बातचीत कर रही है। हमारे भारतीय मिशन प्रभावित चालक दल की सुरक्षा पक्की करने और लापता भारतीय नागरिक की तलाश करने की कोशिशों में जुटे हैं। क्षेत्र में बढ़ता यह सैन्य तनाव पूरी दुनिया की समुद्री सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड की रिपोर्ट

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, जब जीएफएस गैलेक्सी जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहा था, तभी ईरान ने उस पर निशाना साध कर हमला कर दिया। इस हमले की वजह से जहाज के इंजन रूम को बहुत भारी नुकसान पहुंचा है। हमले के तुरंत बाद राहत और बचाव काम शुरू करके चालक दल के कई सदस्यों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन एक भारतीय क्रू मेंबर का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है।

भगवान ...

सुरक्षा संवर्ग में मुख्य मंदिर सुरक्षा अधिकारी के लिए डीएसपी रैंक का एक पद, मंदिर सुरक्षा अधिकारी के लिए इंस्पेक्टर रैंक के दो पद और उप मंदिर सुरक्षा अधिकारी के लिए सब इंस्पेक्टर रैंक के चार पद स्वीकृत थे।

इन पर तैनाती नागरिक पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों से प्रतिनियुक्ति के आधार पर होनी थी।

इसके अलावा मुख्य मंदिर रक्षक के 10 और मंदिर रक्षक के 40 पद भी सृजित किए गए, जो हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल रैंक के थे। इन्हें आउटसोर्स के माध्यम से भरा जाना था।

ऐसा हो जाता तो मंदिर में दर्शन, गणना व सुरक्षा के साथ ही भगवान बदरी विशाल के खजाने की सुरक्षा के लिए आज एक अलग ही ढांचा होता।

लेकिन, जिम्मेदारों की ओर से रुचि न लिए जाने के कारण सब-कुछ धरा का धरा रह गया। नतीजा आज सबके सामने है।

शासन से मांगी आइटीबीपी की दो बटालियन

बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि धाम में सुरक्षा संवर्ग को लेकर पद स्वीकृत होने की जानकारी मिली है।

भविष्य में सुरक्षा संवर्ग का ढांचा खड़ा किया जाएगा। फिलहाल सुरक्षा का मजबूत घेरा बनाने के लिए बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में आइटीबीपी की दो बटालियन अस्थायी रूप से तैनात करने के लिए मंदिर समिति ने शासन को पत्र लिखा है।

बंगाल में...

और उनकी चल-अचल संपत्तियां भी जब्त की जाएगी।

इस कानून के तहत दर्ज सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि पुलिस बिना वारंट के ही गिरफ्तारी कर सकेगी और आरोपितों को आसानी से जमानत नहीं मिल सकेगी। इस कानून के तहत प्रशासन को अधिकार होगा कि वह किसी भी संदिग्ध शख्स की तलाशी ले, उसके दस्तावेज और संपत्ति जब्त करे और अपराध से जुड़ी चल-अचल संपत्ति को कुर्क या जब्त करे।

प्राचीन रथयात्राओं को आर्थिक सहायता देगी बंगाल सरकार

इधर, बंगाल की नई भाजपा सरकार आर्थिक तंगी के कारण सीमित स्तर पर आयोजित होने वाली 100 से 150 वर्ष या उससे अधिक पुरानी रथयात्रा समितियों को आर्थिक सहायता देने जा रही है। सोमवार दोपहर में राज्य सचिवालय नवान्न सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी राज्यभर से चयनित रथ यात्रा समितियों को आर्थिक सहायता प्रदान करेंगे।

मैं आत्महत्या...

उस समय तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने चुनाव प्रचार के दौरान मुस्लिमों के लिए 4.5 फीसदी उप-कोटा बढ़ाकर 9 फीसदी करने का वादा किया था। भाजपा ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग में शिकायत की। सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने सलमान खुर्शीद को कड़ी फटकार लगाई।

इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं और मंत्रियों ने चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए उसके फैसले पर सवाल उठाए। यही बयानबाजी चुनाव आयोग और सरकार के बीच तनाव की वजह बनी। कुरैशी का दावा है कि प्रधानमंत्री ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से लिया और बाद में मंत्रियों तक अपना सख्त संदेश पहुंचाया, जिसके बाद चुनाव आयोग के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी बंद हो गई।

2004 से लेकर 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह

डॉ. मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे और उन्हें शांत, संयमित तथा संस्थाओं का सम्मान करने वाले नेता के रूप में जाना जाता है। वहीं एसवाई कुरैशी जुलाई 2010 से जून 2012 तक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। उनके कार्यकाल में बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर समेत कई बड़े राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हुए।

कुरैशी की किताब में क्या-क्या?

कुरैशी की पुस्तक इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर में सार्वजनिक जीवन के कई ऐसे अनुभवों का जिक्र किया गया है, जो पहले सामने नहीं आए थे। मनमोहन सिंह से जुड़ा यह प्रसंग भी उन्हीं संस्मरणों में शामिल है और इसे लेखक ने सांविधानिक संस्थाओं के प्रति तत्कालीन प्रधानमंत्री की संवेद-नशीलता का उदाहरण बताया है।

वियतनाम बोट...

कंपनी ट्रिप पर गए थे सभी यात्री

जानकारी के मुताबिक, यह सभी भारतीय नागरिक एक मोबाइल कंपनी की तरफ से आयोजित किए गए बिजनेस ट्रिप पर वियतनाम घूमने गए थे। द्वीपों की सैर करने के दौरान इन पर्यटकों को अलग-अलग नावों में भेजा जा रहा था। इसकी मुख्य वजह यह थी कि पहली नाव जैसे ही रवाना हुई, वह अचानक समुद्र की तेज लहरों की चपेट में आकर पलट गई।

भारतीय दूतावास ने बताया कि सभी 15 मृतकों के शवों को पहले हो ची मिन्ह सिटी ले जाया गया है। लिहाजा, वहां की जरूरी कानूनी और कागजी प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद उन्हें विशेष विमान से भारत भेजा जाएगा। दूतावास के अधिकारी वियतनाम प्रशासन के साथ मिलकर इस पूरी प्रक्रिया में लगातार तालमेल बिठा रहे हैं।बता दें कि इस दर्दनाक हादसे के एक दिन बाद भारतीय दूतावास ने शनिवार को मृतकों की आधिकारिक सूची जारी की थी। दूतावास के मुताबिक, जान गंवाने वालों में तमिलनाडु के 10, आंध्र प्रदेश के 3 और केरल के 2 लोग शामिल हैं। हादसे की खबर से इन राज्यों में कई परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। भारतीय दूतावास लगातार परिजनों के संपर्क में है और उन्हें हर जरूरी जानकारी दे रहा है।

आपराधिक जांच तेज, सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जांच

वियतनाम प्रशासन ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए आपराधिक जांच तेज कर दी है। स्थानीय जांच एजेंसियां बोट की मौजूदा स्थिति, सुरक्षा के इंतजाम, इसके साथ ही हादसे के समय वहां के मौसम की परिस्थितियों की बारीकी से पड़ताल कर रही हैं। पुलिस का पूरा ध्यान इस बात पर है कि कहीं जानबूझकर सुरक्षा नियमों की अनदेखी तो नहीं की गई थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 13 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तिरुमाला में बाबा बागेश्वर का सम्मान

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रख्यात कथावाचक बाबा बागेश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों तिरुपति में आयोजित तीन दिवसीय ऊर्जा संचय शिविर में भाग ले रहे हैं।

इस क्रम में वे 10 जुलाई को अपने सहयोगियों सहित श्री बालाजी के दर्शन हेतु तिरुमाला पहुंचे तथा तिरुमाला देवस्थानम स्थित श्री जगदीश नारायणी गेस्ट हाउस (अग्रसेन) में रात्रि विश्राम किया।

11 जुलाई की प्रातः बाबा बागेश्वर ने श्री तिरुपति बालाजी भगवान के सुप्रभात दर्शन किए। इस पावन अवसर पर उनके साथ ओम प्रकाश बंसल, अंजनी कुमार अग्रवाल, आशुतोष बंसल, मनीष अग्रवाल एवं मुन्नालाल अग्रवाल को भी श्री बालाजी भगवान के सुप्रभात दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त हुआ।

तिरुमाला प्रवास के दौरान हैदराबाद से पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा बागेश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आत्मीय सम्मान किया।

इस अवसर पर बाबा के साथ उनके सहयोगियों के अतिरिक्त ओम प्रकाश बंसल, आशुतोष बंसल, अंजनी कुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल एवं मुन्नालाल अग्रवाल उपस्थित रहे।

ज्ञातव्य है कि बाबा बागेश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा 17 से 19 जुलाई तक हैदराबाद में श्री हनुमंत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा।

आयोजन की तैयारियाँ युद्धस्तर पर चल रही हैं। इस अवसर पर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्री हनुमंत कथा का रसपान करें तथा दिव्य दरबार का लाभ प्राप्त करें।

अग्रवाल समाज का नि:शुल्क ऑर्थोपेडिक एवं फिजियोथेरेपी शिविर सम्पन्न

70 से अधिक मरीजों ने उठाया विशेषज्ञ परामर्श, बीएमडी टेस्ट एवं नि:शुल्क दवाइयों का लाभ

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा वेस्ट जोन क्षेत्र स्थित गोल्डन टेम्पल, रघुनाथमल-गीताबाई हॉल, एम.एल.ए. कॉलोनी, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में नि:शुल्क ऑर्थोपेडिक एवं फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य समाज के लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा हड्डी एवं जोड़ों से संबंधित रोगों के प्रति जागरूक करना था।

शिविर में 70 से अधिक मरीजों ने भाग लेकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को नि:शुल्क ऑर्थोपेडिक एवं फिजियोथेरेपी परामर्श, बीएमडी टेस्ट तथा चिकित्सकों द्वारा निर्धारित नि:शुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं।

शिविर में वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. आदित्य कपूर (एमबीबीएस, एमएस-ऑर्थो, एमआरसीएस-एडिन., ओमेगा हॉस्पिटल, गच्चीबोवली) तथा वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट एवं स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत देव गुप्ता (बीपीटी, सीएमटी, डॉ. गुप्ता फिजियोथेरेपी क्लिनिक एंड स्पोर्ट्स रिहैब) ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

शिविर के दौरान ऑर्थोपेडिक जांच, फिजियोथेरेपी मूल्यांकन, गठिया एवं घुटनों के दर्द का परामर्श, रीढ़ एवं जोड़ों की समस्याओं का मार्गदर्शन, सर्जरी के बाद पुनर्वास संबंधी सलाह, स्पोर्ट्स इंजरी मैनेजमेंट तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने संबंधी परामर्श भी दिया गया।

इस सफल आयोजन में अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों, सभी जोनल कोऑर्डिनेटर्स, विभिन्न शाखाओं तथा समिति सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। उनके सामूहिक प्रयासों से समाज के अनेक सदस्यों एवं उनके परिवारों ने इस स्वास्थ्य सेवा का लाभ प्राप्त किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने कहा कि समाजहित एवं जनकल्याण की भावना के साथ भविष्य में भी इसी प्रकार के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं सेवा कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

क्षत्रिय राजपूत सभा की खैरताबाद बस्ती शाखा का गठन, पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
क्षत्रिय राजपूत सभा, कुतुबीगुड़ा, सुल्तान बाजार, हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार, 12 जुलाई 2026 को खैरताबाद बस्ती शाखा का चुनाव संपन्न कराया गया। चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ, जिसमें शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया।

चुनाव में श्री टी. राजेश्वर सिंह को चेयरमैन, श्रीमती पुष्पलता ठाकुर को सचिव तथा श्री टी. विशाल सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया।

वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्री बी. कल्याण सिंह, श्री आकाश मीना राजपूत एवं श्री टी. विजय सिंह का सर्वसम्मति से चयन किया गया।इस अवसर पर क्षत्रिय राजपूत सभा के अध्यक्ष श्री टी. जयवीर सिंह, उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, सचिव श्री टी. अरुण सिंह, श्री मुरली मोहन सिंह, आयोजन सचिव श्री सुधीर सिंह, श्री गणेश प्रसाद सिंह, संरक्षक डॉ. सुदर्शन सिंह, श्री सीताराम सिंह, श्री सत्यनारायण सिंह, श्री राजेंद्र सिंह, श्री टी. प्रभु सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य सदस्य एवं समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

सभा के पदाधिकारियों ने नव-निर्वाचित टीम को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी समाज के संगठन, एकता और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने वितरित किए जुलाई माह के राशन किट

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने अपनी नियमित सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए जुलाई माह में भी 40 जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को राशन किट वितरित किए। संस्था द्वारा लगातार पिछले 13 महीनों से प्रत्येक माह जरूरतमंद परिवारों तक राशन एवं आवश्यक घरेलू सामग्री पहुंचाई जा रही है।संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रत्येक माह की तरह इस बार भी रविवार को हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में राशन किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस माह राशन सामग्री के साथ परिवारों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक टब भी वितरित किए गए।

इस माह राशन किट के प्रायोजक मंगतराय-रामकुमार परिवार, श्री राधेश्याम गुप्ता, श्री केदारनाथ अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार) तथा श्री पुरुषोत्तमदास-सुरेश कुमार पापड़िया (टंडन) रहे।संस्था द्वारा पिछले 13 महीनों के दौरान मौसम एवं आवश्यकताओं के अनुरूप जरूरतमंद परिवारों को विभिन्न उपयोगी सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल, दिसंबर में स्वेटर, जनवरी में मकर संक्रांति के अवसर पर साड़ियाँ, फरवरी में चटाइयाँ तथा अन्य महीनों में प्लास्टिक की चौकी, पानी की बोतलें एवं रसोई की कड़ाई वितरित की गई थीं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था की इस सेवा भावना की सराहना की। इस अवसर पर प्रायोजक श्री राधेश्याम गुप्ता एवं श्री सुरेश कुमार टंडन के साथ संस्था के सहयोगी आर. ए. अग्रवाल, विनय जैन, मुकेश केडिया, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार ने सेवा कार्यों में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि ऐसे अग्रबंधु परिवार, जिनकी मासिक आय 20,000 से कम हो तथा जो 10,000 से कम किराए के मकान में रहते हों, वे सहायता प्राप्त करने के लिए अपना आधार कार्ड एवं फोटो मोबाइल नंबर 9396222880 पर भेज सकते हैं। पात्र एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संस्था द्वारा राशन किट की व्यवस्था की जाएगी।

बेगमबाजार में संपत्ति विवाद को लेकर तनाव, पुलिस जांच में जुटी

विवादित दुकान पर जबरन कब्जे के प्रयास का आरोप, मारपीट एवं तोड़फोड़ की शिकायत

घायल युवतियों का मेडिकल परीक्षण, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की भी होगी जांच

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बेगमबाजार स्थित चिनारिया पूजा सामग्री की एक दुकान पर शनिवार सुबह लगभग 10:30 से 11:00 बजे के बीच संपत्ति विवाद को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

मामले में शिकायतकर्ता पक्ष ने जबरन कब्जे, मारपीट, तोड़फोड़ एवं अन्य आरोप लगाते हुए गोशामहल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यायालय में विचाराधीन है संपत्ति विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो भाइयों के बीच संबंधित दुकान के स्वामित्व को लेकर विवाद उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि मामले की अगली सुनवाई सोमवार को निर्धारित थी, लेकिन उससे एक दिन पहले 10 से 20 लोग, जिनमें महिलाएं और पुरुष शामिल थे, कथित रूप से विवादित दुकान पर पहुंचे और जबरन कब्जा करने का प्रयास किया।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद कानून को अपने हाथ में लेकर कार्रवाई की गई। उनका यह भी आरोप है कि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त किया गया तथा बाद में सीसीटीवी डीवीआर (डेटा स्टोरेज हार्ड डिस्क) भी अपने साथ ले जाया गया, जिससे घटना से संबंधित साक्ष्यों को नष्ट किया जा सके।

मारपीट, तोड़फोड़ और सामान ले जाने के आरोप

शिकायतकर्ता पक्ष के अनुसार, घटना के दौरान दुकान में मौजूद दो हिंदू युवतियों, जिनमें एक नाबालिग बताई जा रही है, के साथ कथित रूप से मारपीट की गई। साथ ही उनकी सोने की चेन और नकदी छीनने का आरोप भी लगाया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि दुकान में रखी पूजा सामग्री, भगवान की तस्वीरों एवं अन्य सामान के साथ तोड़फोड़ की गई।

घटना के बाद दोनों युवतियों ने गोशामहल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उन्हें चिकित्सकीय परीक्षण (एमएलसी) के लिए अस्पताल भेजा है।

शिकायतकर्ता पक्ष ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वायरल वीडियो की प्रामाणिकता तथा शिकायत में लगाए गए सभी आरोपों की जांच की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

निस्वार्थ सेवा ही राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सच्ची पहचान : सुभाष भगेरिया

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों एवं रोगियों के परिजनों को ससम्मान एवं प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सेवाभावी सदस्यों ने पूरे समर्पण और अनुशासन के साथ सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर समाजसेवी सुभाष भगेरिया ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे मानव सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल तथा वरिष्ठ सेवाभावी राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, सेवा-भाव और सतत प्रयासों के कारण राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज निस्वार्थ मानव सेवा का एक प्रेरणादायी अभियान बन चुका है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना ईश्वर की सच्ची सेवा है तथा इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में प्रेम, करुणा और मानवता की भावना को सशक्त करते हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भविष्य में भी इसी निष्ठा और समर्पण के साथ मानव सेवा का यह अभियान निरंतर जारी रखेगा तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़कर समाज में सेवा की नई मिसाल कायम करेगा।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, सुभाष भगेरिया एवं भंवरलाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

42 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली, छह हत्याओं का आरोपी अब भी खुली हवा में ले रहा है सांस

शाबाद (रंगा रेड्डी), 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शाबाद के बहुचर्चित हत्याकांड को लगभग 42 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी पी. राजकुमार अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। समाचार लिखे जाने तक शाम अधिकारिक जानकारी अनुसार आरोपी की तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं, फिर भी उसे गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई और जांच की गति को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से एक नाबालिग लड़की से जुड़े झजउडज सहित अन्य मामले दर्ज थे। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि उसी मामले से उपजी रंजिश के चलते उसने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, घटना के पीछे की पूरी सच्चाई आरोपी की गिरफ्तारी और विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

जांच एजेंसियां तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और अन्य सुरागों के आधार पर तेलंगाना सहित पड़ोसी राज्यों में भी आरोपी की तलाश कर रही हैं। इसके बावजूद अब तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

इस बीच, शाबाद हत्याकांड में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि आरोपी कथित तौर पर 20 लाख के समझौते के बाद स्टेशन बेल (थाने से जमानत) पर बाहर आया था। हालांकि, इस दावे की अब तक किसी भी आधिकारिक एजेंसी ने पुष्टि नहीं की है। इसलिए इसे केवल स्थानीय चर्चा के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

मामले में लापरवाही के आरोपों के बीच संबंधित सीआई क्रांति रेड्डी और एसआई रमेश को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच में यदि किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय होती है तो नियमानुसार आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं बीआरएस नेता आर.एस. प्रवीण कुमार ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि गंभीर मामलों के आरोपी आसानी से जमानत पर बाहर आते हैं, तो इससे पीड़ित परिवारों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा होता है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और जवाबदेह जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

आरोपी की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना पर 2 लाख के इनाम की घोषणा की गई है। पुलिस ने आम नागरिकों से विश्वसनीय सूचना देने की अपील की है तथा सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का आश्वासन दिया है।

सोशल मीडिया पर आरोपी की गिरफ्तारी और एनकाउंटर को लेकर कई तरह की अफवाहें सामने आई हैं, लेकिन पुलिस ने ऐसी किसी भी सूचना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। फिलहाल आधिकारिक स्थिति यही है कि आरोपी फरार है और उसकी तलाश लगातार जारी है।

पुलिस उपायुक्त योगेश गौतम ने रविवार को आरोपी के बारे में रिपोर्टों पर साफ किया कि राजकुमार अभी भी फरार है और लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। श्री गौतम ने कहा, हमने शाबाद में छह लोगों की हत्या के मामले की जांच तेज कर दी है। रेलवे पुलिस, ट्रैकिंग टीमों और मानव तथा तकनीकी जांच इकाइयों समेत नौ टीमें आरोपी की तलाश कर रही हैं। हमें शक है कि वह चेगुरु रेलवे ट्रैक पार करके जंगल के इलाके में भाग गया है। उसका मोबाइल फोन शुक्रवार रात से बंद हो गया है।

पुलिस ने बताया कि एक नाबालिग लड़की को परेशान करने के आरोप में उसके खिलाफ यौन शोषण से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम का मामला दर्ज होने के बाद आरोपी ने बदले की भावना से इस वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के मुताबिक राजकुमार ने शुक्रवार देर रात दैवालागुडा गांव में दो परिवारों के छह सदस्यों की हत्या कर दी। मृतकों में 17 साल की लड़की, उसकी मां चिट्याला लक्ष्मी (45), दादी चिट्याला रुक्काम्मा (65), उसकी पत्नी सरिता (30) और उनके दो बेटे परीक्षित (4) व दैविकक्षित (2) शामिल थे। इस घटना से पूरे राज्य में हड़कंप मच गया।र

बहू प्रताड़ना मामले में बुरे फंसे राउत

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विनायक राउत के परिवार के खिलाफ उनकी बहू गिरिजा राउत ने शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना और अंधविश्वास से जुड़े कई सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। बहू की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है। विनायक राउत की बहू गिरिजा राउत का आरोप है कि उनके पति को बांझपन की समस्या थी। इस बात को लेकर उनके ससुराल वालों ने उन्हें तांत्रिकों के पास जाने के लिए मजबूर किया। अंधविश्वास के नाम पर उनके बाल नोचे गए और उन्हें जबरन गौमूत्र पीने पर मजबूर किया गया। गिरिजा ने अपने बयान में कहा, मुझे पिछले सात सालों से सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। ससुराल वालों ने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, मुझ पर हमले किए और मुझे बार-बार भूखा रखा गया। परिवार के मुखिया होने के बावजूद विनायक राउत ने कभी भी मेरी बात नहीं सुनी।

पुलिस ने तांत्रिक को गिरफ्तार किया

गिरिजा राउत की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने पूर्व सांसद विनायक राउत, उनकी पत्नी, उनके पार्षद बेटे गीतेश राउत और दो तांत्रिकों के खिलाफ अंधविश्वास विरोधी कानून व घरेलू हिंसा के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शिकायत में नामजद दो तांत्रिकों फिरोज और काजी में से एक तांत्रिक बाबा फिरोज शेख को गिरफ्तार कर लिया है। गिरिजा और आरोपी शेख दोनों कोर्ट में पेश भी हुए। शिकायत के मुताबिक, ससुराल वालों ने फिरोज शेख से जबरदस्ती काला जादू करवाया था।

विनायक राउत की सफाई

दूसरी तरफ, पूर्व सांसद विनायक राउत ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे तलाक के मामले से जुड़ी एक बड़ी साजिश करार दिया है। विनायक राउत का कहना है कि गिरिजा ने एलिमनी के रूप में 12 करोड़ रुपये, तीन कमरों का फ्लैट और एक कार की मांग की थी। जब वह इस जबरन वसूली में नाकाम रही, तो उसने हमारे परिवार को फंसाने के लिए यह रास्ता अपनाया है।

जब राउत ने शिकायत दर्ज कराने के समय पर सवाल उठाया, तो उनकी बहू ने जवाब दिया कि विनायक राउत का परिवार बेहद प्रभावशाली है, इसलिए पहले उनमें शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं थी।

हनीमून और विदेश यात्रा के दौरान दुर्व्यवहार के आरोप

गिरिजा राउत ने अपने पति पर और भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शादी के बाद ऊटी में हनीमून के दौरान उनके पति ने शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया और उन्हें खुद से दूर धकेल दिया। पति का कहना था कि वह केवल किसी अंतरराष्ट्रीय जगह पर ही संबंध बना सकते हैं, भारत में नहीं। ऊटी से लौटने के बाद पैतृक गांव तलगांव में एक कार्यक्रम के दौरान भी धीरे चलने की बात पर पति ने सबके सामने उन पर चिल्लाकर उनका अपमान किया।

गिरिजा का आरोप है कि साल 2018 में जब वे ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर गए थे, तब भी शारीरिक संबंध बनाने की बात कहने पर पति ने उनके साथ मारपीट की और धमकी दी कि अगर वे करीब आईं तो उनकी जान ले लेंगे। गिरिजा के मुताबिक, इस तरह के झगड़े मुंबई वाले घर में भी होते थे और उनकी सास को इस बारे में सब कुछ पता था।

श्रद्धा और भक्ति से संपन्न हुई बाबा गंगाराम की भव्य भजन संध्या

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भव्य भजन संध्या का आयोजन श्री हरिनारायण व्यास के सानिध्य में सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भजनों का आनंद लिया और बाबा गंगाराम जी के श्रीचरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

इस अवसर पर श्री बाबा गंगाराम जी, भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी, माता गायत्री देवी, माता लक्ष्मी, भगवान शिव परिवार, हनुमानजी तथा माँ दुर्गा सहित पंचदेव दरबार का मनोहारी एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। आकर्षक सजावट और आध्यात्मिक वातावरण ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

हैदराबाद के प्रख्यात भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा एवं श्री सोमेश छापरवाल ने अपनी मधुर एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से समूचे वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। श्रद्धालु देर तक भजनों में झूमते रहे और बाबा गंगाराम जी का गुणगान करते रहे।

कार्यक्रम में व्यास परिवार के सभी सदस्यों एवं उनके मित्रों के साथ बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद के सभी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से बाबा गंगाराम जी का गुणगान किया। भजन संध्या के समापन पर श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

घांसी बाजार झूला शाखा की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे सिल्वर जुबली समारोह के उद्घाटन हेतु अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सिल्वर जुबली समारोह के प्रधान संयोजक शशि कांत अग्रवाल, शाखा के अध्यक्ष अनिल धरसूवाला, महावीर प्रसाद अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, मीनू गर्ग, शिव भगवान अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्री अनिरुद्ध गुप्ता से भेंट कर उन्हें समारोह में उद्घाटनकर्ता के रूप में आमंत्रित किया।

कुमावत समाज ने किया डॉ. महेंद्र कुमावत एवं राजेश कुमावत का भव्य सम्मान

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चिंगिचेरला स्थित कुमावत सेवा समिति भवन एवं प्रवासी समाज बंधुओं के तत्वावधान में कुमावत समाज तेलंगाना द्वारा भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुमावत समाज मंदिर प्रांगण में आयोजित हुआ, जिसमें राजस्थान से पधारे अतिथियों का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा, माला एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। समारोह में राजस्थान प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओबीसी सलाहकार परिषद के सदस्य एवं पूर्व सचिव राजेश कुमावत, आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचंद्र कुमावत तथा किसान मोर्चा पाली जिला मंत्री एवं सीरवी समाज कोरेमुला वडेर अध्यक्ष कालूराम काग का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुख्य अतिथियों ने समाज में एकता, सहयोग एवं सेवा भावना को मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि छत्तीस कौम समाज के लिए सदैव कार्य करने और गरीब परिवारों को साथ लेकर चलने का संकल्प समाज की प्रगति का आधार है।

कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों का भी शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे और सामाजिक समरसता एवं संगठन की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत एवं प्रदेश सचिव धर्माराम डया कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में सोहनलाल माननिया, ओमप्रकाश सांगर, आसुराम चांदोरा, पवन पटेल सागर, राजूराम बागरेचा, बुधाराम होतवाल, ओमप्रकाश भोभरीया, रामकिशोर भड़लीवाल, मांगीलाल बावलेचा, सुनील मोरवाड़िया, प्रकाश मालवीय, शंभुराम मोटावत, श्यामलाल बाकरेचा, बगदाराम बाकरेचा, रुपाराम मालीवाड़, बाबूलाल गोड़ावड़, अणदाराम मनावत, राकेश सिदंड़, राजूराम खेडावत, माणकराम मेड़तिया तथा केसाराम नागौरा सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मीडिया कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने की। अंत में कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आगामी नगर निगम चुनावों में बड़ी जीत हासिल करेगी भाजपा: रामचंद्र राव

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने रविवार को विश्वास जताया कि भाजपा आगामी नगर निगम चुनावों में बड़ी जीत हासिल करेगी और हैदराबाद, मल्काजगिरी तथा साइबराबाद नगर निगमों में अपना महापौर बनाएगी।

श्री राव ने कूकटपल्ली-सेरीलिंगमपल्ली क्षेत्र के विवेकानंद कॉलोनी में भाजपा के एक नए कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा कि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हनुमंत राव द्वारा दान की गयी भूमि पर बना यह कार्यालय आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी के अभियान के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि जनता उम्मीद के साथ भाजपा की ओर देख रही है और दावा किया कि तीनों नगर निगमों पर पार्टी का परचम लहराएगा।

भाजपा नेता ने कांग्रेस सरकार, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायकों और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) पर जनता के मुद्दों की अनदेखी करने तथा नागरिक समस्याओं का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद में पीने के पानी के संकट और मानसून से पहले बाढ़ की रोकथाम के उपायों को लेकर भाजपा द्वारा बार-बार दी गयी चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया गया।

श्री राव ने दावा किया कि शहर में हल्की बारिश से भी भारी जलभराव और यातायात जाम की स्थिति बन रही है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस सरकार तथा जीएचएमसी से जवाब मांगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों पार्टियां ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ राजनीतिक रिश्ते मजबूत करने में जुटी हैं और हैदराबाद के विकास की अनदेखी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शहर के नागरिक आगामी नगर निगम चुनावों में भाजपा को अपना समर्थन देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मुख्यमंत्री को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना की बुनियादी समझ नहीं : हरीश राव

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के उपमुख्य सचेतक टी. हरीश राव ने रविवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कनेपल्ली पंप हाउस की मोटरों के ऑपरेशन पर उनकी टिप्पणियों पर सवाल उठाया और कहा कि उन्हें कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना की बुनियादी समझ भी नहीं है।

श्री हरीश राव ने तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि श्री रेवंत रेड्डी ने पिछले 31 महीनों में अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के अलावा कुछ नहीं सीखा है। मुख्यमंत्री की उस टिप्पणी का ज़िक्र करते हुए जिसमें उन्होंने सवाल किया था कि मेडिगड्डा बैराज के गेट खोले बिना कनेपल्ली पंप हाउस की मोटरें कैसे चलाई जा सकती हैं, श्री हरीश राव ने कहा कि यह बयान तकनीकी जानकारी की कमी को दर्शाता है।

श्री हरीश राव ने ज़ोर देकर कहा कि मेडिगड्डा गेट खोले बिना भी कनेपल्ली पंप हाउस की मोटरें चलाई जा सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि सेवानिवृत हो चुके इंजीनियरों और तेलंगाना सिंचाई विभाग के मौजूदा इंजीनियरों ने इसके तकनीकी पहलुओं को समझाया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सच बोलने वाले सेवानिवृत इंजीनियरों को कानूनी कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार ही मोटरें चलाई गई थीं, जिसमें कांग्रेस सरकार का कार्यकाल भी शामिल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.